



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

वर्ष : 17 अंक : 131

न्यूज ब्रीफ

2030 तक बिहार में ही मिलेगा मजदूरों को रोजगार, मुगेर में CM सम्राट चौधरी का बड़ा एलान



मुंगेर/ जीएनएस। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समुद्ध बिहार के सपने को साकार करने के लिए वह अपना पूरा जीवन समर्पित कर देंगे। उनका लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक बिहार का कोई भी व्यक्ति मजदूरी करने के लिए दूसरे राज्य में जाने को मजबूर नहीं होे। बिहार में ही लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। हालांकि, बेहतर रोजगार, व्यापार या उच्च पद के अवसर मिलने पर युवा दूसरे राज्यों में जा सकेंगे। मुख्यमंत्री सोमवार को नवरात्र की नवमी तिथि पर तारापुर विधानसभा क्षेत्र के संग्रामपुर प्रखंड अंतर्गत कहुआ गांव पहुंचे थे। यहां तारापुर विधानसभा क्षेत्र के पहले विधायक वासुकी राय के नाम पर स्थापित खेल मैदान में आयोजित फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में शामिल हुए। उन्होंने विजेता व उपविजेता टीम के कप्तानों को ट्रॉफी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए तारापुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक प्रखंड में स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। अगले दो महीने के अंदर निर्माण कार्य शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि वासुकी राय के नाम पर स्थापित यह खेल मैदान क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले राज्य में महज 272 कॉलेज थे। उन्होंने 15 जुलाई 2026 को राज्य में एक साथ 211 डिग्री कॉलेज शुरू किए। इसके साथ ही राज्यभर में 700 मॉडल स्कूल सह सरस्वती विद्या निकेतन शुरू किए गए। इन स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए स्थानीय स्तर पर ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके माध्यम से विद्यार्थी विशेषज्ञों से ऑनलाइन मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे। ग्रामीणों के अनुसार, कहुआ गांव में वर्ष 1962 से प्रत्येक वर्ष फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष आयोजित टूर्नामेंट में आठ टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला टीटीसी मानिकपुर और पाटम की टीम के बीच खेला गया।

लॉरेंस बिश्नोई को साहब कहने पर दिल्ली पुलिस को घेरा, अभिजीत दीपके बोले- गैंगस्टर्स के प्रति इतना सम्मान?



नई दिल्ली/ जीएनएस। कॉंकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दिल्ली पुलिस को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। दीपके ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर दिल्ली पुलिस के डीसीपी का पुराना वीडियो शेयर किया है। अभिजीत दीपके ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि दिल्ली पुलिस जितना सम्मान गैंगस्टर्स के प्रति दिखती है, उतना सम्मान छात्रों और कार्यकर्ताओं के प्रति क्यों नहीं दिखती है दीपके की यह पोस्ट ऐसे समय में सामने आई है, जब दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट को लेकर उन्हें कई बार हिरासत में ले चुकी है। इतना ही नहीं दीपके के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उन्हें कोर्ट से दो बार जमानत मिल चुकी है। दीपके ने झूठ पर डीसीपी के जिस पुराने वीडियो को शेयर किया है, उस वीडियो में डीसीपी लॉरेंस बिश्नोई साहब कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। इसी को लेकर दीपके ने दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाया है। दीपके अपने X अकाउंट पर शेयर पोस्ट में बताया कि दिल्ली पुलिस लॉरेंस बिश्नोई साहब बोलती है। लेकिन गैंगस्टर्स के लिए दिल्ली पुलिस का जो सम्मान है। काश ये इसका 10% भी उन छात्र और कार्यकर्ताओं के लिए दिखाते जो सिर्फ प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुंबई से दिल्ली, फिर नेपाल भागने का था प्लान... अब पुलिस की गिरफ्त में टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग करने वाले शूटर्स



मुंबई/ जीएनएस। मुंबई के जुहू इलाके में रविवार रात एक फुटबॉल क्लब से निकलते समय बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोली चलाने वालों में एक रैपिडो झड़वर, एक मजदूर और एक नाबालिग शामिल था। आरोपियों को राजस्थान के कोटा में उस समय पकड़ा गया, जब वे ट्रेन से दिल्ली जा रहे थे। वे नेपाल भागने की फिराक में थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस हमले को अंजाम देने के लिए तीनों आरोपियों को कुल 50000 रुपये एडवांस के तौर पर मिले थे। जांचकर्ता आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं ताकि उनकी अलग-अलग

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

मालवा हेराल्ड

उज्जैन, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत- डॉ. मोहन यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है।

भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पीड़ितों के लिए आश्वासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है।

विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए

हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्बल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है। आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है। अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए

आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी ढाँचों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कौशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने

पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठ से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए। सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है। मध्यप्रदेश में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निभंय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे-यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की

वास्तविक कसौटी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सस्ते सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है। विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तृत्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है। आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मर्यादा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करें। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय-इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें। सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं।

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या के बाद बवाल, सीएम आवास के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन

इंफाल/ जीएनएस। मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी इकट्ठा कर रहे तीन लोगों की कथित तौर पर उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री आवास के बाहर दो शव रख दिए। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर लकड़ी इकट्ठा करने वाले लोगों के एक समूह पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें तीन अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीन और लोग लापता हैं। 3 ग्रामीणों की मौत और 3 घायल- एक अधिकारी ने बताया कि अरुवम रोनिल (35) और लैरेनलाकपम



इनाओबी (51) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्षेत्रमायुम सुशील (32) ने एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों - एन सूरज (19), मेइसनाम सोमेंद्रो (53) और के बोसन (45) - का इलाज चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, ये लोग

उन 16 लोगों में शामिल थे जो सुबह करीब 7 बजे अपने गांव के पास की पहाड़ियों पर जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने गए थे, तभी उन पर हमला कर दिया गया। मुख्यमंत्री आवास के बाहर विरोध -मुख्यमंत्री आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद, मुख्यमंत्री आई खेमचंद सिंह ने निजी अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की, लेकिन मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। गुप्ताए स्थानीय लोगों ने राज्य में मई 2023 से जारी हिंसा के विरोध में

शवों को राजधानी लाकर मुख्यमंत्री आवास के मुख्य द्वार के बाहर रख दिया। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री आवास पर मौजूद थे या नहीं। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े- प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के कई गोले छोड़े, जिसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया। मुख्यमंत्री आवास और वहां जाने वाले रस्तों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों ने खुदाई लमल्लांग में एक सड़क जाम कर दी, जबकि इंफाल के एमा केइथेल में महिलाओं के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया।

पिछ्ले के पूर्वज 130 साल पहले भारत से श्रीलंका और बाद में दक्षिण अफ्रीका गए थे। उनका जन्म 1941 में डरबन में हुआ था। उन्होंने गरीबी और रंगभेद के कड़े दौर का सामना किया। यूनिवर्सिटी ऑफ नटाल से कानून की पढ़ाई और हार्वर्ड लॉ स्कूल से डॉक्टरेट हासिल करने वाली पिछ्ले 1995 में दक्षिण अफ्रीका के उच्च न्यायालय की पहली अश्वेत महिला जज बनीं। उन्होंने नेल्सन मंडेला जैसे नेताओं के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी और रवांडा इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में अहम भूमिका निभाई। 1998 के ऐतिहासिक अकायेसु फैसले में उनके योगदान ने बलात्कार और यौन हिंसा को नरसंहार की श्रेणी में शामिल करने में मदद की।



नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि दक्षिण अफ्रीकी कानून विशेषज्ञ और भारतीय मूल की नवी पिछ्ले को इस साल नोबेल शांति पुरस्कार मिलने पर सरकार ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, सोशल मीडिया पर कई लोगों ने थरूर के इस रुख की आलोचना की और उनकी अपनी पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्हें ही आड़े हाथों लिया।

योगी आदित्यनाथ की अपील: पर्वों में सुरक्षा न भूलें, विजयदशमी पर नारी शक्ति का सम्मान

गोरखपुर/ जीएनएस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं मंगलवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए अपील की कि पर्वों के उत्साहपूर्ण माहौल में सुरक्षा की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों का आह्वान किया कि सौहार्दपूर्ण माहौल में उत्साह और उमंग के साथ पर्व और त्योहार मनाइए, लेकिन साथ में सुरक्षा और अनुशासन का जरूर ध्यान रखा जाए। सीएम योगी, बतौर गोरक्षपीठधीश्वर सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर कन्या पूजन अनुष्ठान के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विजयदशमी का पर्व हमें सभी प्रकार के विकारों से मुक्त होने का भी संदेश



देता है। यह पर्व किसी भी प्रकार का विकार चाहे वह व्यक्ति के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन को प्रभावित कर रहा हो या फिर राष्ट्र की प्रगति में बाधक हो, उस विकार को तिलांजलि देने का भी अवसर है। मुख्यमंत्री ने माहौल में सुरक्षा की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों का आह्वान किया कि सौहार्दपूर्ण माहौल में उत्साह और उमंग के साथ पर्व और त्योहार मनाइए, लेकिन साथ में सुरक्षा और अनुशासन का जरूर ध्यान रखा जाए। सीएम योगी, बतौर गोरक्षपीठधीश्वर सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर कन्या पूजन अनुष्ठान के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विजयदशमी का पर्व हमें सभी प्रकार के विकारों से मुक्त होने का भी संदेश

क्या मुंबई अंडरवर्ल्ड में पैदा हुए खालीपन को भर रहा उत्तर भारतीय सिंडिकेट? 90 के दशक की हो रही चर्चा

मुंबई/ जीएनएस। पिछले दो दशकों से मुंबई में अंडरवर्ल्ड के लगभग सभी बड़े गिरोह खत्म होने के बाद बॉलीवुड ने राहत की सांस ली थी। एक समय था जब ये गिरोह जबरन वसूली के जरिए फिल्म इंडस्ट्री से सबसे ज्यादा कमाई करते थे। लेकिन रविवार शाम एक्टर टाइगर श्रॉफ पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग ने यह साबित कर दिया है कि अंडरवर्ल्ड एक बार फिर नए चेहरों के साथ सक्रिय हो गया है। इस बार उत्तर भारत के गिरोह इस पुराने खालीपन का फायदा उठाने की कोशिश में हैं। इस घटना ने एक बार फिर फिल्म जगत की हस्तियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।



फायरिंग में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ-रविवार को जब अभिनेता टाइगर श्रॉफ जुहू में एक स्पোর্ट्स इवेंट से बाहर निकल रहे थे, तभी तीन अज्ञात हमलावरों ने उनकी कार पर फायरिंग चला दी। गनीमत यह रही कि टाइगर

श्रॉफ, जो कार में आगे बैठ थे, बाल-बाल बच गए। हालांकि, इस फायरिंग की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के कुछ ही मिनटों बाद, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े अनमोल बिश्नोई का एक सोशल मीडिया पोस्ट अचानक आया, जिसमें उसने इस गोलाबारी की जिम्मेदारी ली। इस घटना उस पुराने खौफनाक दौर की याद ताजा कर दी, जब हिंदी फिल्म उद्योग पूरी तरह से अंडरवर्ल्ड के साए में जीता था। डाक वाो पुराना दशक- 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक की शुरुआत

का समय बॉलीवुड के लिए किसी काले साये से कम नहीं था। उस दौर में जबरन वसूली और निजी दुश्मनी के कारण फिल्म निर्माताओं और कलाकारों को लगातार निशाना बनाया जाता था। मुकेश दुग्गल की हत्या (1997)- फिल्म निर्माता मुकेश दुग्गल की फिल्मों की फंडिंग को लेकर हुए विवाद के बीच एक गिरोह से जुड़ी झड़प में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राजीव राय पर हमला (1997)- छोटा शकील के शूटर्स ने फिल्म निर्माता राजीव राय पर उनके तारदेव स्थित दफ्तर के बाहर जानलेवा हमला किया, जिन्हें उनके साथ मौजूद एक पुलिस कांस्टेबल ने जवाबी फायरिंग कर बचाया।

सत्य की असत्य पर विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर मुख्यमंत्री इंदौर में करेंगे शस्त्र-पूजन

प्रदेशभर में होंगे शस्त्र-पूजन कार्यक्रम- मंत्रीगण होंगे मुख्य अतिथि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शस्त्र-पूजन भारतीय सेना के पराक्रम, सुरक्षा और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भगवान श्रीराम के देश में शक्ति के प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं। विजयादशमी पर प्रदेशभर में आयोजित शस्त्र-पूजन कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा, सैन्य सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता के प्रति सम्मान तथा नागरिकों में राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना है।

विजयादशमी का पर्व सत्य की असत्य पर विजय और शक्ति के अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के संकल्प की साधकता का प्रतीक है। भारतीय सनान संस्कृति में शस्त्र-पूजन की परंपरा शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग, निर्बलों की रक्षा, धर्म एवं न्याय की स्थापना और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति कर्तव्यबोध का संदेश देती है। इसी सांस्कृतिक परंपरा और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सम्मान की भावना को व्यापक रूप से अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने प्रदेश में विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 20 अक्टूबर को इंदौर में शस्त्र-पूजन करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ग्यालिपर में और वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल बैतुल में शस्त्र पूजन आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में

शामिल होंगे। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में मंत्रीगण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

शस्त्र-पूजन शक्ति के सदुपयोग और कर्तव्यनिष्ठता का प्रतीक- भारतीय परंपरा में शस्त्र-पूजन का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह सामरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। विजयादशमी पर शस्त्रों का पूजन कर शक्ति के सदुपयोग, आत्मरक्षा और अन्याय के प्रतिकार का संकल्प लिया जाता है। यह परंपरा सिखाती है कि शक्ति का उद्देश्य आक्रमण या अत्याचार नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और निर्बलों की रक्षा करना है।

मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त करने से पूर्व मां शक्ति की उपासना की और अपने अस्त्र-शस्त्रों का पूजन किया था। महाभारत की परंपरा में भी पांडवों द्वारा अज्ञातवास के दौरान सुरक्षित रखे गए अपने अस्त्र-शस्त्र विजयादशमी पर पुनः प्राप्त कर उनका पूजन करने का उल्लेख मिलता है। भारतीय इतिहास में छत्रपति शिवाजी महाराज सहित अनेक शूरवीर योद्धाओं द्वारा विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन और विजय-प्रस्थान की परंपरा रही है।

सनातन संस्कृति में शास्त्र और शस्त्र दोनों का समान महत्व है। शास्त्र ज्ञान, संस्कार और जीवन-मूल्यों का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि शस्त्र अन्याय के प्रतिकार तथा समाज और राष्ट्र

की रक्षा के साधन हैं। 'धर्मो रक्षति रक्षितः' का भाव भी यही प्रेरणा देता है कि धर्म, न्याय और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सामर्थ्य के साथ कर्तव्य का निर्वहन आवश्यक है।

भारतीय सेना के शौर्य और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति सम्मान- शस्त्र-पूजन की परंपरा भारतीय सेना, पुलिस और सुरक्षा बलों के साहस, अनुशासन तथा राष्ट्रशा के संकल्प से भी जुड़ी है। सीमा पर तैनात सैनिकों का त्याग, कर्तव्यनिष्ठ और समर्पण देशवासियों की सुरक्षा का आधार है। विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के माध्यम से राष्ट्र की संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश शक्ति संपन्न और सामर्थ्यवान बन रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई ने सैन्य कौशल, साहस और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति संकल्प को प्रदर्शित किया। शस्त्र-पूजन इस भावना को भी पुष्ट करता है कि शांति और सद्भाव की रक्षा के लिए राष्ट्र का सजग, अनुशासित और सामर्थ्यवान होना आवश्यक है।

शक्ति की उपासना से लोकमंगल और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा- भारतीय संस्कृति में शक्ति की आराधना का उद्देश्य लोकमंगल है। मां दुर्गा की उपासना आत्मबल, साहस, नारी

शक्ति के सम्मान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देती है। शस्त्र-पूजन का मूल संदेश है कि शक्ति मर्यादा और अनुशासन से संचालित हो तथा उसका उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए।

विजयादशमी आत्मचिंतन और आत्मसुधार का अवसर भी है। रावण-दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता जैसी बुराइयों को त्यागने का संकल्प आवश्यक है। सामाजिक एकता, अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण ही सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आधारशिला हैं।

जिलों में मंत्रीगण करेंगे शस्त्र-पूजन- राज्य शासन द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले शस्त्र-पूजन कार्यक्रमों के लिए मंत्रीगण को मुख्य अतिथि के रूप में नामांकित किया गया है। जिन जिलों में मंत्रीगण कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे, वहां संबंधित जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक शस्त्र-पूजन करेंगे। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

राज्य शासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे विजयादशमी पर अपने-अपने घरों में परंपराानुसार शस्त्र-पूजन करें। कार्यक्रमों की समस्त व्यवस्थाएं संबंधित जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

इंदौर में त्योंहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालो के विरुद्ध चल रहे अभियान को और अधिक तेज कर प्रभावी बनाया जाएगा

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों में लॉबित समय-सीमा पत्रों तथा जनसमस्याओं के निराकरण की विभागावार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लॉबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि त्योंहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालो के विरुद्ध चल रहे अभियान को और अधिक तेज कर प्रभावी बनाया जाये। उन्होंने नापतोले विभाग के अधिकारियों को अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पर कार्रवाई- बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करें तथा आवेदकों को संतुष्टिपूर्ण समाधान



उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने रेंडम रूप से 4 प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग के ब्लाक मैडिकल ऑफिसर का पांच दिन का वेतन काटने, परदेशीपुरा अस्पताल के पीएचएम का सात दिन का वेतन काटने, प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय का तीन दिन का वेतन काटने तथा नगर निगम झोन-10 के वार्ड क्रमांक-39 के उपर्यंत्री का पांच दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये।

फटाखा दुकान और गोदामों के सुरक्षित

संचालन के संबंध में दिये निर्देश- बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने दीपावाली त्यौहार को देखते हुए अग्नि सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश ?दिये। उन्होंने कहा कि फटाखा दुकानों और गोदामों का नियमित और सघन निरीक्षण सुनिश्चित किया जाये। सभी जगह फायर सेफ्टी के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किये जाये। यह तय किया जाये कि

फायर सेफ्टी व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करें- कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील एवं सार्वजनिक स्थलों पर फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण किया जाए। जहां आवश्यक अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं

पाए जाएं, वहां संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने शासकीय मंदिरों की वर्तमान स्थिति, संधारण एवं संचालन आदि की समीक्षा की।

बैठक के प्रारंभ में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक श्री सुभाष चंद्र ने अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिले में जल एवं पर्यावरण संरक्षण की और विशेष ध्यान दिया जाये। इस संबंध में नागरिकों को जागरूक किया जाये। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगों को भी उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाये। इसके लिये अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम और गतिविधियां संचालित की जाये।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पवार तथा श्री रिकेश वैश्य, जिला पंचायत के मुख्य कार्यालयलन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, वनमंडलाधिकारी श्री सुधाकर सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, प्रवर सिंह तथा श्री श्रंगार श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नवरात्रि में ‘शक्ति’ बर्नी सुरक्षा, सेवा और भरोसे की पहचान, महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचाया तो बिछड़ी बच्ची को मां से मिलाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के दौरान इंदौर में महिला सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक आयोजनों में सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए पुलिस की शक्ति मोबाइल टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई। गरबा पंडालों से लेकर मंदिरों और मेलों तक लगातार पेट्रोलिंग करते हुए महिला पुलिसकर्मियों ने



जरूरतमंदों की सहायता की। कहीं देर रात साधन नहीं मिलने पर महिलाओं और युवतियों को सुरक्षित घर पहुँचाया गया, तो कहीं गरबा आयोजन में मां से बिछड़ी सात वर्षीय बच्ची को सकुशल उसके परिवार से मिलाया गया। पुलिस की इन मानवीय पहल ने सुरक्षा के साथ सेवा और भरोसे का संदेश भी दिया।

पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में शहर के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित 15 शक्ति मोबाइल लगातार सक्रिय रही। इन टीमों ने नवरात्रि आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सभालने के साथ

महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और आपाकालीन सहायता के प्रति लोगों को जागरूक किया। बीती रात्रि भी विभिन्न शक्ति मोबाइल टीमों ने कई जरूरतमंदों की मदद की।

देर रात साधन नहीं मिलता तो शक्ति मोबाइल ने सुरक्षित घर पहुँचाया - नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजनों से देर रात लौट रही महिलाओं और युवतियों को सुरक्षित घर पहुँचाने में शक्ति मोबाइल की टीमों ने मदद की। पीसीआर-3 की टीम ने गोमटगिरी गरबा पंडाल से लौट रही महिलाओं को वाहन उपलब्ध नहीं होने पर सुरक्षित उनके घर पहुँचाया। वहीं, पीसीआर-8 की

टीम ने छेली तारा गरबा से लौट रही एक महिला और तीन बच्चयों की परेशानी समझी। मोबाइल डिस्चार्ज होने के कारण वे कैब बुक नहीं कर पा रही थीं। टीम ने उन्हें सुरक्षित घर पहुँचाया।

इसी तरह पीसीआर-13 की टीम ने सादगी गरबा से लौट रही दो युवतियों की मदद की। गोपुर चौराहे पर कैब नहीं मिलने और ऑटो चालकों द्वारा अधिक किराया मागे जाने से परेशान युवतियों को पुलिस टीम ने सुरक्षित मूसाखेड़ी पहुँचाया। कोकिलाबन अस्पताल क्षेत्र में पेट्रोल खत्म होने से परेशान युवक-युवती की पीसीआर-6 ने सहायता की, जबकि पत्रकार चौराहे पर वाहन खराब होने के कारण परेशानी का सामना कर रहे युवक-युवती को पीसीआर-10 की टीम ने मदद उपलब्ध कराई और उन्हें घर पहुँचाया।

वाहन खराब होने से परेशान बालिकाओं को गरबा स्थल पहुँचाया-रॉबर्ट चौराहे पर पीसीआर-5 की महिला शक्ति टीम को तीन बालिकाएं मिलीं, जो अभिव्यक्ति गरबा में शामिल होने जा रही थीं।

इंदौर क्राइम ब्रांच की त्वरित कार्रवाई: बिजली बिल के नाम पर हुई 1.45

लाख की साइबर ठगी की राशि 24 घंटे से कम समय में वापस कराई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली बिल जमा नहीं होने पर रात 9-30 बजे बिजली काटने का डर दिखारकर कपड़ू व्यापारी से ?1 लाख 45 हजार की ऑनलाइन ठगी करने का मामला सामने आया है। इंदौर क्राइम ब्रांच की साइबर फ़ॉड इन्वेस्टिगेशन टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए ठगी की पूरी राशि 24 घंटे से भी कम समय में वापस कराने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, राशि संदिग्ध खातों में जमा होने से पहले ही उसे रिफंड करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर आर्थिक धोखाधड़ी और साइबर ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच की साइबर फ़ॉड इन्वेस्टिगेशन टीम ऑनलाइन ठगी की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई कर रही है। इस मामले में आरक्षक अनिल शर्मा और आरक्षक वीरेंद्र यादव ने हृष्टक्रणपेट्रोल पर प्राप्त शिकायत पर तत्परता से कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, इंदौर निवासी कपड़ू व्यापारी विशाल के ब्याट्समैन पर एक अज्ञात नंबर से संदेश आया। संदेश भेजने वाले व्यक्ति ने खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताते हुए दावा किया कि बिजली बिल का भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही धमकी दी कि बिल जमा नहीं होने पर रात 9-30 बजे बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा।

बिजली कटने की आशंका के चलते व्यापारी ने संदेश में भेजे गए लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके कुछ ही समय बाद उनके क्रेडिट कार्ड से ?1 लाख 45 हजार की राशि ट्रांसफर हो गई। ठगी का पता चलते ही व्यापारी ने तत्काल शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने मामले में कार्रवाई शुरू की। क्राइम ब्रांच की फ़ॉड इन्वेस्टिगेशन टीम ने शिकायत मिलते ही संबंधित लेनदेन पर कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, अज्ञात व्यक्ति द्वारा नाब्रोक मर्चेंट के माध्यम से ठगी गई 1,45,000 की पूरी राशि सटिश्य खातों में जमा होने से पहले ही वापस कराने में सफलता मिली। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से व्यापारी को आर्थिक नुकसान से बचाने में मदद मिली।

इंदौर पुलिस ने आम नागरिकों को साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस के अनुसार, गूगल पर उपलब्ध अनजान फोन नंबरों पर ऑख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति खुद को बिजली विभाग, बैंक या किसी सरकारी संस्थान का अधिकारी बताकर संपर्क करता है, तो उसकी पहचान की पुष्टि आधिकारिक माध्यम से अवश्य करनी चाहिए।

नागरिकों को अपनी बैंकिंग संबंधी जानकारी, ओटीपी, पिन और अन्य निजी विवरण किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने चाहिए। बैंकिंग, पेंशन या सरकारी योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिए केवल अधिकृत कार्यालयों और आधिकारिक वेबसाइटों का ही उपयोग करना चाहिए।

बिजली बिल जमा करने, बैंक खाते की जानकारी अपडेट करने या अन्य भुगतान के नाम पर भेजे गए अज्ञात लिंक, व्‍यूआर कोड और ऐप डाउनलोड करने के संदेशों से भी सावधान रहने की जरूरत है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की पहल Safe Clicks - AI Agentic Solutions (Chatbot) के माध्यम से नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और साइबर जागरूकता संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं युवाओं को तकनीकी मार्गदर्शन, कौशल विकास, नवाचार तथा

कैरियर संबंधी परामर्श प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा कार्यशालाएँ, विशेषज्ञ व्याख्यान, औद्योगिक भ्रमण, कैरियर काउंसलिंग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा उपलब्ध तकनीकी

संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ व्यापक स्तर पर पहुँचाने का प्रयास किया गया। अभियान के अंतर्गत वायर एवं जूट के आभूषण निर्माण, बटिक कला, बेकरी आइटम एवं ब्रेड, एम्ब्रॉयडरी एवं यूनिफॉर्म मेकिंग जैसी कौशल विकास कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इसके साथ ही 38 सॉफ्टवेयर तथा छुट्ट कटिंग संबंधी प्रशिक्षण एवं तकनीकी क्षेत्र में रुचि रखने वाले

विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (इुथिंज़), ड्रोन टेक्नोलॉजी एवं इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट कैरियर काउंसलिंग पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राा हेतु जिला स्तरीय साईंस मॉडल प्रदर्शनीन का भी आयोजन किया गया। अभियान का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया गया।

दशहरा मैदान में रावण दहन की तैयारियों का कलेक्टर एवं एसपी ने किया निरीक्षण

सुरक्षा के लिए डबल बैरिकेडिंग, फायर ब्रिगेड एवं एंबुलेंस की व्यवस्था के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशहरा पर्व पर रावण दहन कार्यक्रम के मद्देनजर कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने दशहरा मैदान में की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं दशहरा समिति के सदस्यों को सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, पार्किंग तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने दिए निम्न निर्देश -

डबल बैरिकेडिंग- दशहरा मैदान में सुरक्षा की दृष्टि से इनर एवं आउटर बैरिकेडिंग की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि रावण दहन के दौरान कोई भी व्यक्ति रावण के पुतले तक नहीं पहुंच सके।

भीड़ प्रबंधन-कार्यक्रम के दौरान आवागमन एवं भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए।

पार्किंग व्यवस्था- वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थानों पर आवश्यक इंतजाम



किए जाएं।

- प्रवेश एवं निकास- मैदान में प्रवेश और बाहर निकलने के लिए अलग-अलग मार्गों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आवागमन सुचारु बना रहे।

- अग्निशमन व्यवस्था- दशहरा मैदान में दो फायर ब्रिगेड तैनात रखी जाएं तथा एक फायर ब्रिगेड मैदान के बाहर तैयार स्थिति में उपलब्ध रहे।

- एंबुलेंस की व्यवस्था- किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

- आतिशबाजी में सावधानी- रावण दहन के दौरान रॉकेट का उपयोग नहीं किया जाए।

आतिशबाजी के लिए कम दूरी तक जाने वाले एवं अच्छी गुणवत्ता वाले पटाखों का ही उपयोग किया जाए तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए।

समुचित सुरक्षा प्रबंधन आयोजन से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं तथा संबंधित अधिकारी एवं दशहरा समिति आपसी समन्वय से कार्य करें।

- मनासा एवं जावद में निरीक्षण- कलेक्टर

ने अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल को मनासा एवं जावद में रावण दहन कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। सभी नागरिक इस पर्व को सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे एवं उत्साह के साथ मनाएं। आयोजन को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल, एसडीएम नीमच श्री परगम जैन, सिटी एसपी सुश्री किरण चौहान, सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया, दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशों की जमीनी तामील

महाअष्टमी की छुट्टी पर भी घर-घर जाकर दिव्यांग पटवारी बालकिशन ने की मुफ्त रजिस्ट्री



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में ऑनलाइन टगी के शिकार हुए लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मंदसौर पुलिस की साइबर सेल ने बीते दो माह में लगातार कार्रवाई करते हुए करीब 7 लाख 71 हजार 925 रुपये की टगी गई राशि पीड़ितों के खातों में वापस कराई है।

पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस कप्तान तेर सिंह बघेल के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक सत्येन्द्र सैनी प्रभारी साइबर सेल व उनकी साइबर सेल की टीम ने यह कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक वर्तमान में ऑनलाइन प्लेटफार्म पर टगों द्वारा लोगों को झोसे में लेकर लाखों रुपये ठगने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने साइबर सेल को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

एमआरएम मॉड्यूल से मिली सफलता- पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की राशि वापस दिलाने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के एमआरएम के तहत कार्रवाई की गई। बैंकों और विभिन्न एजेंसियों से समन्वय कर टगी गई राशि को होल्ड कराकर पीड़ितों के खातों में हस्तांतरित कराया गया। मंदसौर पुलिस ने अपील की है कि साइबर टगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या 222.५३डुह-५३डुह.३५1.६टुगु पर शिकायत दर्ज कराएं। बैंक खाता, एटीएम पिन, ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें और लेन-देन से जुड़े स्क्रीनशॉट व मैसेज सुरक्षित रखें। समय पर शिकायत करने से ही राशि वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है। उक्त कार्रवाई में उप निरीक्षक सत्येन्द्र सैनी प्रभारी साइबर सेल व उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मां भवानी गरबा मंडल में महिलाओं ने उठाई तलवारें, जोश और भक्ति के साथ खेला गरबा

अष्टमी पर हुआ शस्त्र पूजन, आज कन्या पूजन के बाद होगा भंडारा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर सहित देशभर में शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मंदसौर के कैलाश मार्ग,



अंबेडकर चौराहा स्थित मां भवानी गरबा मंडल समिति द्वारा भी नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिदिन धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अष्टमी के अवसर पर शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। शस्त्र पूजन के दौरान विधि-विधान के साथ मां भवानी की आराधना की गई। इसके बाद शस्त्रों का पूजन कर शक्ति, साहस और नारी शक्ति का संदेश दिया गया। महिलाओं ने हाथों में तलवारें थामकर पारंपरिक अंदाज में गरबा खेला। तलवारों के साथ गरबा करती महिलाओं के उत्साह और जोश ने आयोजन स्थल का माहौल भक्तिमय बना दिया। बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को उत्साहपूर्वक देखा।

मां भवानी गरबा मंडल में नवरात्रि के प्रत्येक दिन माता की आरती, गरबा और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समिति द्वारा पूरे आयोजन को व्यवस्थित और धार्मिक वातावरण में संपन्न कराया जा रहा है। अष्टमी पर हुए शस्त्र पूजन ने नवरात्रि

के शक्ति स्वरूप को और अधिक विशेष बना दिया।

समिति के मीडिया प्रभारी उमेश सुहाना ने बताया कि नवरात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, साहस और नारी हमारी सनातन संस्कृति का प्रतीक भी है। इसी भावना

के साथ महिलाओं ने तलवारों के साथ गरबा प्रस्तुत किया। आयोजन में शामिल महिलाओं में उत्साह देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। आज कन्या पूजन के बाद होगा भव्य भंडारा- नवरात्रि पर्व पर आज दशहरे पर मां भवानी गरबा मंडल समिति द्वारा कन्या पूजन का आयोजन किया जाएगा। कन्याओं के पूजन के पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जाएगी। समिति द्वारा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की तैयारी की गई है। कैलाश मार्ग, अंबेडकर चौराहा स्थित मां भवानी गरबा मंडल में नवरात्रि के दौरान लगातार धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के चलते क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। अष्टमी पर शस्त्र पूजन और महिलाओं द्वारा तलवारों के साथ गरबा प्रस्तुत किए जाने के बाद अब कन्या पूजन एवं भंडारे को लेकर समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। जानकारी पत्रकार उमेश सुहाना द्वारा दी गई।

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज मंगलवार को विजयादशमी पर्व पर दशपुर सांस्कृतिक उत्सव समिति के तत्वावधान में कॉलेज ग्राउंड में सायंकाल परंपरागत रूप से भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को कॉलेज मैदान में संध्या 6.30 बजे रावण के पुतले को क्रैन मशीन के माध्यम से खड़ा किया गया छ

समिति के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप सिंह सिसोदिया संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल संयोजक ब्रजेश जोशी ने बताया कि कॉलेज ग्राउंड पर इस भव्य आयोजन की संपूर्ण तैयारी पूरी कर ली गई है। सायं काल 6३0 बजे कोटा बूंदी के प्रसिद्ध आतिशबाज सतरंगी गान चुंबी आतिशबाजी के रंगारंग नजारे प्रस्तुत करेंगे। फतेहपुर सिकरी उत्तर प्रदेश के कलाकारों द्वारा रावण का 80 फिट ऊंचा आकर्षक पुतला बनाया गया है इसका मुकुट इस बार कुछ घंटकर है और पुतले में कुछ अजूबे भी है तलवार वाला हाथ चलेगा आंखें झपकेगी। गर्दन घूमेगी।साथ ही मेघनाथ और कुंभकरण के 41-41 फीट ऊंचे पुतलों का भी निर्माण किया गया है। पूरे कॉलेज मैदान परिसर में उत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है राम ,लक्ष्मण, हनुमान जी की सेना



लंका रूपी रावण दहन स्थल पर पहुंचेगी। इस भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक उत्सव के माध्यम से नशामुक्त मध्य प्रदेश का आव्हान किया जाएगा और मैदान में नशा मुक्ति का संदेश देती पट्टीया लगाई जाएगी। पीजी कॉलेज जैन कॉलेज और डाईट परिसर में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। कन्या महाविद्यालय के रास्ते कन्या महाविद्यालय के पीछे के रास्ते की भी सफाई कर वहां समुचित आवागमन की व्यवस्था की गई है ताकि उस दिशा से आने वाले लोगों को सुविधा हो सके। पुतलों के दहन के पूर्व राम स्तुति एवं सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ राम कथा के मर्मज्ञ विद्वान पींडट दशरथ भाई जी के सानिध्य में भी किया जाएगा। गत दिवस कलेक्टर

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल ने मंदसौर के स्वच्छता दूतों का किया आत्मीय स्वागत व सम्मान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्नेह नगर स्थित प्रसिद्ध श्री अमलेश्वराराय बालाजी मंदिर प्रांतण में आयोजित नवरात्रि महोत्सव उस समय सामाजिक समरसता का केंद्र बन गया, जब अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने शहर की स्वच्छता की कमान संभालने वाले सफाई कर्मचारियों का भव्य स्वागत किया। मंदिर परिसर में उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता दूतों पर पुष्प वर्षा की और उन्हें शाल-श्रीफल प्रदान कर उनके सेवा कार्य को नमन किया। समारोह के दौरान अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, मंदसौर के जिलाध्यक्ष विनोद जाट ने कहा कि शहर को स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका सबसे अग्रणी रहती है। विपरीत परिस्थितियों में भी वे दिन-रात अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। नवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर इन कर्मयोगियों को सम्मानित कर परिषद ने समाज



में उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्रसिंह पोरस ने अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सफाई कर्मी हमारे समाज का आधार स्तंभ हैं। उन्हें सम्मान देकर परिषद ने सामाजिक समरसता की एक नई मिसाल पेश की है। ऐसे आयोजनों से समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और परस्पर सम्मान की भावना बलवती होती है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ अम्बे की

कैलाश मालवीय, बंशीलाल मालवीय, सदीप कच्छरा, कल्याणसिंह चौहान, मनोज शर्मा, कमलेश मेहता, मंदिर समिति के अध्यक्ष दीपक तोमर, अजय सोनगरा, गजेन्द्र जोशी, आयुष सक्सेना, ओमप्रकाश मिश्रा, जितेन्द्र पामेचा, रितुराजसिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, संगठन के कार्यकर्ता एवं सफाई कर्मचारी शामिल हुए। अंत में सभी का आभार जिला महामंत्री गोपालसिंह राजावत ने व्यक्त किया।

समाजसेवी अरुल अरोरा के भंडारे में गुंजा जयकारा, महाप्रसादी के लिए लगी लंबी कतारें

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर महामाया भादवा माता के दरबार में आस्था का ऐसा अद्भुत रंग जमा कि हर कोई माता की भक्ति में सराबोर नजर आया। महाअष्टमी के पावन अवसर पर सोमवार को नीमच के युवा समाजसेवी अरुल अरोड़ा द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में अलसुबह से ही भक्तों का तांता लग गया। सुबह 10 बजे शुरू हुआ महाप्रसादी का यह सिलसिला देर रात तक अनवरत जारी रहेगा। दूर-दूर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन के साथ-साथ इस भव्य भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। समाजसेवी अरुल अरोरा द्वारा अष्टमी पर माताजी को हलवा चढ़ाया गया।

चार दिनों से निरंतर चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों के बीच आज चौथे यानी महाअष्टमी के खास मौके पर युवा समाजसेवी अरुल अरोड़ा ने भादवा माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता के चरणों में शीश नवाकर नीमच और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गुंज उठा।

भादवा माता मंदिर परिसर में आयोजित इस विशाल भंडारे में भक्तों की सेवा का जिम्मा समाजसेवी अरुल अरोरा और उनकी टीम ने उठाया है। भंडारे की विशेषता यह है कि यह आयोजन पिछले चार दिनों से लगातार चल रहा है और महाअष्टमी के दिन इसका उत्साह अपने चरम पर है।

विशेष पकवानों की महक-- भंडारे में आने वाले भक्तों के लिए शुद्ध घी से बनी गरमा-गरम पूरियां, सूजी का स्वादिष्ट हलवा, मसालेदार चने का प्रसाद और लजीज आलू की सब्जी परोसी जा रही है। अखंड सेवा-- सुबह 10 बजे से शुरू हुई महाप्रसादी वितरण का यह महायज्ञ देर रात तक भक्तों की सेवा में समर्पित रहेगा, जिससे दूर-दराज से आने वाले किसी भी श्रद्धालु को भूखा न रहना पड़े। महाअष्टमी पर मां भादवा माता के दर्शन के लिए नीमच जिले के अलावा राजस्थान, गुजरात और अन्य पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे हैं।

जोगणिया माता का चमत्कार, जहाँ टूट जाती हैं लोहे की बेड़ियाँ, आज भी गवाह हैं मंदिर में टंगी सैकड़ियाँ हथकड़ियाँ

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अरावली की दुर्गम और घनी पहाड़ियों के बीच छुपा ऊपरमाल का वह इलाका, जहाँ विज्ञान और आधुनिकता की सीमाएँ खत्म होती हैं और अटूट लोक आस्था का एक ऐसा अस्थाय शुरू होता है, जो किसी को भी हैरत में डाल दे। हम बात कर रहे हैं राजस्थान-



मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित बेगू क्षेत्र के ऐतिहासिक और रहस्यमयी शक्तिपीठ की, जहाँ सदियों से जोगणिया माता का चमत्कार भक्तों के लिए साक्ष्य इंधरीय शक्ति प्रमाण बना हुआ है।

यह देश का संभवतः इकलौता ऐसा धाम है, जहाँ कोई सनो-चांदी के आभूषण या महंगे पकवान नहीं, बल्कि जेल में कैदियों को पहनाने वाली लोहे की भारी-भरकम हथकड़ियाँ और बेड़ियाँ प्रसाद के रूप में चढ़ाई जाती हैं।

तर्क और विज्ञान को चुनौती देती है माँ की शक्ति- आज के इस वैज्ञानिक युग में जहाँ हर घटना को कसौटी पर जख्म जाता है, वहीं जोगणिया माता का धाम आधुनिक युग में तर्क और वैज्ञानिकों को खुली चुनौती देता है। यहाँ सदियों से घटित होने वाले पर्व (चमत्कार) और अटूट जनविश्वास के सामने आधुनिक विज्ञान ने निमग्न भी बौने साबित होते हैं। माता की प्रतिमा के समक्ष शीश झुकते ही होने वाले इन अलौकिक अनुभवों का जवाब आज तक किसी भी शोध या वैज्ञानिक मापदंड के पास नहीं है,

सुवासरा में खूनी संघर्ष का मामला : विधायक डंग के आवास पर धरने के बाद मंदसौर रोड पर डेढ़ घंटे रहा चक्काजाम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर के रुनिजा रोड पर हुए खूनी संघर्ष के मामले में सोमवार सुबह नया मोड़ आ गया। आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर बंजारा समुदाय के लोग महिलाओं सहित सुबह करीब 8 बजे स्थानीय विधायक हर्दीप सिंह डंग के घर के बाहर धरने पर बैठ गए। करीब आधे घंटे चले प्रदर्शन के बाद विधायक ने सभी को अपने कार्यालय बुलाया, जहां परिजनों ने अपनी मांगें रखीं। हालांकि, प्रशासन से संतोषजनक आश्वासन न मिलने पर परिजन तहसील कार्यालय और बाद में मंदसौर रोड पर चक्का जाम कर बैठ गए, जो करीब डेढ़ घंटे तक चला।



किए जाएं। इस पर विधायक हर्दीप सिंह डंग ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि मामले में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। विधायक ने एसडीओपी दिनेश प्रजापत को फोन पर निर्देशित किया कि आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही तहसीलदार और सीएमओ से चर्चा कर आरोपियों की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर नियमानुसार जमींदोज करने के निर्देश दिए।

तहसील कार्यालय के बाद मंदसौर रोड पर चक्काजाम- विधायक के आश्वासन के बावजूद

परिजन पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुए और वहां से उत्कर्ष तहसील कार्यालय के बाहर पहुंच गए। यहां करीब आधा घंटा तक प्रदर्शन चला और जाम जैसी स्थिति बन गई। जब मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा, तो आक्रोशित परिजनों ने मंदसौर रोड स्थित पेट्रोल पंप चौकी पर पहुंचकर चक्का जाम कर दिया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

एडिशनल एसपी के समझाने पर खुला जाम- सूचना मिलते ही गरीब एंड्रियानल एसपी रामसेही मिश्रा और सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभाला। अधिकारियों ने परिजनों को निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। एडिशनल एसपी रामसेही मिश्रा के हस्तक्षेप और उचित कार्रवाई के आश्वासन के बाद आखिरकार परिजन शांत हुए और करीब डेढ़ घंटे बाद चक्का जाम समाप्त कर अपने घरों को लौटे।

सम्पादकीय मनुष्य के अंदर और मन की बुराइयों के रावण को मारने का उत्सव दशहरा

प्रति वर्ष हम असत्य के प्रतीक रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों को धू-धू कर जलते हुए देखते हैं और पटाड़ों की गूंज के बीच आनंदित होते हैं। पर क्या कभी हमने इस बात पर विचार किया है कि रावण का पुतला फूंकने से पहले क्या हमारे भीतर का रावण समाप्त हो गया है? यदि बाहरी रावण के जलने के साथ-साथ मन के भीतर छिपे दुर्गुणों का दहन न हो, तो इस पर्व का असली उद्देश्य अथूरा रह जाता है। रावण केवल दस सिरों वाला कोई पौराणिक कथास नहीं था, वह महान ज्ञानी, प्रकांड पंडित और तंत्र-मंत्र का ज्ञाता होने के बावजूद अपने भीतर पलने वाले अहंकार, घमंड और वासनाओं के कारण पतन को प्राप्त हुआ था। आज के मनुष्य के भीतर भी वही रावण अलग-अलग रूपों में निवास कर रहा है। यदि हमें सच्चे अर्थों में विजयादशमी मनानी है, तो हमें अपने मन रूपी लंका में झाँककर इन आंतरिक बुराइयों को पहचानना होगा और उनका शमन करना होगा।

रावण के पतन का सबसे बड़ा कारण उसका अंधा अहंकार था। उसे अपनी शक्ति, धन और ज्ञान पर ऐसा घमंड हो गया था कि उसने त्रिभुज के देवताओं को भी तुच्छ समझ लिया था। आज आधुनिक मनुष्य भी अपने पद, प्रतिष्ठा, धन और बुद्धि के अभिमान में अपनी को भूल जाता है। यह अहंकार ही मनुष्य के सर्वनाश का सबसे पहला द्वार है।

भारतीय संस्कृति पर्वों और त्योहारों की एक ऐसी जीवंत श्रृंखला है, जो केवल बाहरी उल्लास का माध्यम नहीं है, बल्कि मनुष्य को आंतरिक रूप से परिष्कृत करने का एक महान साधन भी है। इन सभी पर्वों में दशहरा (विजयादशमी) का स्थान अद्वितीय विशिष्ट है। विजयादशमी केवल रावण के पतन का सबसे बड़ा कारण उसका अंधा अहंकार था। उसे अपनी शक्ति, धन और ज्ञान पर ऐसा घमंड हो गया था कि उसने त्रिभुज के देवताओं को भी तुच्छ समझ लिया था। आज आधुनिक मनुष्य भी अपने पद, प्रतिष्ठा, धन और बुद्धि के अभिमान में अपनी को भूल जाता है। यह अहंकार ही मनुष्य के सर्वनाश का सबसे पहला द्वार है।

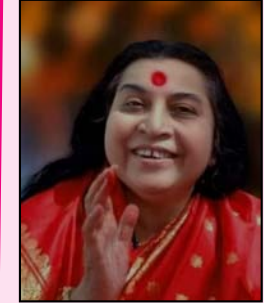
क्रोध मनुष्य की बुद्धि का हरण कर लेता है। रावण का क्रोधी स्वभाव और उसकी असंयमित वाणी ही उसके विनाश का कारण बनी। आज सैन्यशीलता की कमी के कारण समाज और परिवारों में दूरियां बढ़ रही हैं। क्षणिक आवेश में उड़या गया कदम जीवन भर का पछव्यान बन जाता है। रावण का पराभव तब सुनिश्चित हो गया था जब उसने पराई स्त्री के प्रति कुत्सित और अनैतिक दृष्टि डाली। आज के समय में नैतिक मूल्यों का पतन, महिलाओं के प्रति असम्मान और स्वार्थी लालसाएं समाज को खोखला कर रही हैं। मन के विकारों पर नियंत्रण न होना ही सबसे बड़ी कमजोरी है। कुंभकर्ण और रावण का लोभ असीम था। आज का मनुष्य भी दिन-रात धन कमाने की अंधी दौड़ में अपनी को, अपने संस्कारों को और अपनी नैतिकता को भूल बैठता है। यह अति-लोभ ही समाज में भ्रष्टाचार और अन्याय को जन्म देता है। मैं जो कहता हूँ वही सही है - यह सोच ही मनुष्य को फँसाएँ और कठोर बना देती है। रावण की यह जिद कि संसार में सब कुछ उसके नियमों और इच्छा के अनुसार चलना चाहिए, उसका सबसे बड़ा दुर्गुण था।

दशहरा हमें यह बताता है कि जिस प्रकार रावण के पुतले में आग लगाकर उसे राख कर दिया जाता है, ठीक उसी प्रकार हमें भी अपने भीतर की कुप्रवृत्तियों को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। रावण वध केवल भगवान राम की विजय नहीं थी, बल्कि वह धर्म की स्थापना और मानवता की रक्षा का संदेश था।अहंकार रूपी रावण को मिटाने के लिए हमें विनीत और विमर्ष बनना होगा।क्रोध रूपी मेघनाद को शांत करने के लिए हमें धैर्य और संयम का आभूषण धारण करना होगा।

लोभ रूपी कुंभकर्ण को त्यागने के लिए हमें संतोष और रोपोपकार की भावना को अपनाना होगा। आज का युग भौतिकतावाद की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। तकनीकी प्रगति ने दुनिया को भले ही छोटा कर दिया हो, लेकिन इंसानों के दिलों के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में दशहरा पर्व हमें एक ठहराव देता है। यह हमें आत्मविश्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। यदि हम समाज को अपराधमुक्त, भयमुक्त और प्रेमपूर्ण बनाना चाहते हैं, तो इसकी शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर की बुराइयों रूपी रावण का वध कर देगा, तो स्वतः ही बाहरी समाज में ईर्ष्या, द्वेष, भ्रष्टाचार और अपराध समाप्त हो जाएंगे।

विजयादशमी का पावन पर्व हमें यह संदेश देता है कि अंधकार चाहे कितना भी घना क्यों न हो, एक छोटा सा दीया उसे परास्त करने की क्षमता रखता है। हमारे भीतर बुराइयां और कर्मजोरियां भले ही कितनी पुरानी और गहरी क्यों न हों, यदि हमारा संकल्प दृढ़ है और मार्ग सत्य का है, तो विजय हमारी ही होगी।

विजयादशमी पर अपने सूक्ष्म शरीर रूपी यंत्र की जागृति करें सहजयोग से



विजयदशमी एक महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार है जो हर साल अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाता है। भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था तथा देवी दुर्गा ने नौ रात्रि एवं दस दिन के युद्ध के उपरान्त महिषासुर पर विजय प्राप्त की थी। इस दिन लोग न केवल बुराई पर पर अच्छई की जीत का जश्न मनाते हैं, बल्कि अपने जीवन में सकारात्मकता और

सत्य को अपनाने का संकल्प भी लेते हैं।

सभी ईश्वर को मानने वालों के लिए दशहरा, दशमी या विजयादशमी आत्म चिंतन का पर्व है। यह पर्व हमें सोचने पर विवश करता है कि रावण को आज तक क्यों जलना पड़ रहा है क्या वो इतना शक्तिशाली है कि उसे हर विजयदशमी को जलाने के बाद भी उसके निराकार अस्तित्व का अंत नहीं होता।

वास्तव में, हमारे अंदर के षडरिपु यानि मन के छः शत्रु काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह, मत्सर्य हैं और यही षडरिपु रावण की मृत्यु का कारण बने। अन्यथा रावण महान शिवभक्त व ज्ञानी था। पर अपनी भक्ति पर भी रावण को इतना अहंकार था कि स्वयं त्रिलोकीनाथ शिव को उससे पूजा करवाने के लिए प्रतिद्वंदित लंका आना पड़ता था, यह रावण के अहंकार की परकाष्ठा थी। एक और सुग्रीव हैं जिसने प्रभु श्री राम के चरणों में शीश झुकाया और प्रभु का अनन्य भक्त बन गया। वहीं दूसरी ओर दसग्रीव वाला (दस गले वाला) व तीनों लोकों पर विजय प्राप्त करने वाला रावण प्रभु श्री राम का प्यारा नही बन पाया क्योंकि वह जलद्वीप उडैशे को अधीन? था।

हर दशमी पर सिर्फ रावण के षडरिपु अडैश्य नहीं होता बल्कि यह संकल्प लेने की प्रेरणा भी होती है कि हम अपने अंदर के समस्त अवगुणों का भी दहन करते हैं। लेकिन प्रश्न है क्या इतना आसान है अपने अवगुणों से पीछा छुड़ाना। बिलकुल... यह बहुत आसान है।

सहज योग के माध्यम से हमारे सूक्ष्म शरीर के छः चक्र सकारात्मक ऊर्जा से हमारे अवगुणों को गुणों में परिवर्तित कर देते हैं। छः चक्र के छः गुण हमारे अंदर प्रस्थापित होते हैं और सातवें चक्र पर हम ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश कर जाते हैं। संसार में शांति का साम्राज्य स्थापित हो इसके लिए जरुरी है कि हम अपने दुर्गुणों का अंत करने का संकल्प लें। तो चलिए सहज योग से जुड़ते हैं। हम सामान्यतः अपनी आस्थाओं के चलते अपनी रोजी रोटी के माध्यम वाहन, अंजीरा और उपकरण को भी पूजते हैं, ऐसा करके हम अपने दैनंदिन जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं का सम्मान करते हैं। ईश्वर के चरणों व मित्रों को सोने का पता भेंट कर खेह अभिषेक करते हैं। जब हम इतने? भावनात्मक हैं तो अंदर के ईश्वर को समझना भी आवश्यक है क्योंकि प्रकृति का पावनतम रुप हमारे अंदर स्थित है। प्रकृति के इसी पावनतम स्वरूप से हमारे चक्र निर्मित हैं। विजयदशमी तःनों के पूजन का भी दिन है तो हमारे अंदर के उपकरण रुपी चक्र को भी पूजना होगा। आत्मसाक्षात्कार पाना होगा और आत्मचक्षु से अपने अंदर के ईश्वरीय दर्शन का आसास्वादन करना होगा, तभी सही मायने में विजयदशमी मनेगी।

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हूँ भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हदसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आस्थात्मक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हदसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हदसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उड़ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हदसे के बाद जानने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवराय संस्कृति को धुंसेलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हदसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक

दिल्ली में लोकतंत्र बनाम सुरक्षा

का महारंग्राम। जंतर- मंतर बना

सत्ता की अर्पितनराझी।

वैश्विक स्तरपर 9 अक्टूबर 2026 मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मुद्रतावा सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित काँक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन ने राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक, प्रशासनिक और सैवधानिक बहस तेज कर दी है।प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने, दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों पर पाबंदियों की तैयारी और दिल्ली पहुंचने वाली कुछ मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करने के फैसलों ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं? क्या यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने की एहतियाती रणनीति है या इसका अस्त नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार पर भी पड़ रहा है? यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बन गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाल से बताना चाहूंगा कि यहाँ 57 मेट्रो स्टेशन और रेल सेवाओं पर पाबंदी से बड़ा विवाद, रेलवे बोर्ड के 9 अक्टूबर के आदेशके अनुसार निर्धारित समयावधि में नई दिल्ली और हजरत जियामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने वाली कुछ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके शुरुआती स्टेशनों से रद्द किया गया है।ये पाबंदियां 10 अक्टूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच पहुंचने वाली संबंधित ट्रेनों पर लागू बताई गई हैं। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद रखने की व्यवस्था की घोषणा की है।उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, पाबंदियों का प्रभाव रेड, येलो, ब्लू, वायलेट,पिंक और मैजेंटा लाइटों सहित कई मेट्रो मार्गों पर पड़ना है। इससे यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और दूसरे जरूरी कामों से दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी हो सकती है।हालांकि सभी ट्रेनों के रद्द होने या पूरी मेट्रो सेवा बंद होने का दावा करना सही नहीं होगा पाबंदियों का वास्तविक दायरा संबंधित आधिकारिक आदेशों से ही स्पष्ट होगा।

साथियों बात अगर हम सीजेपी का ऐलान युवाओं से डरती है सरकार तो पूरा देश बंद कर दे को समझने की करें तो, सीजेपी के संस्थापक ने केन्द्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि जंतर- मंतर निर्धारित प्रदर्शन स्थल है और पार्टी हर हाल में प्रदर्शन करेगी। उनका तर्क है कि शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है और कथित चुनावी अनियमितताओं पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार किया है, जबकि जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ाई गई है।

साथियों बात अगर हम सीजेपी का ऐलान युवाओं से डरती है सरकार तो पूरा देश बंद कर दे को समझने की करें तो, सीजेपी के संस्थापक ने केन्द्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि जंतर- मंतर निर्धारित प्रदर्शन स्थल है और पार्टी हर हाल में प्रदर्शन करेगी। उनका तर्क है कि शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है और कथित चुनावी अनियमितताओं पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार किया है, जबकि जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ाई गई है।

–डॉ. सुधाकर आशावादी

परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए छो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भयंता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवैकट्ट रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है।

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अपवाह फैलने या किसी अत्युशासित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर

वीज़ा प्रतिबंधः अमेरिकियों के लिए बड़े पैमाने पर रोज़गार, विदेशियों के लिए पानी की कमी

अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवर नौकरी पाने के लिए H-1B वीजा का इस्तेमाल करते हैं, जबकि ग्रीन कार्ड के जरिए अमेरिका में स्थायी निवास पाने के लिए उन्हें एक अलग प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इस श्रेणी का पूरा नाम क्वॉटरनैट्स है, जिसका पूरा नाम प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट है। यह अमेरिकी क्रम विभाग की एक प्रक्रिया है, जिसके तहत कोई कंपनी किसी विदेशी कर्मचारी को स्थायी पदों के लिए नियुक्त करने से पहले यह प्रमाणित करती है कि उसने अमेरिकी श्रम बाजार से संबंधित सभी आवश्यक नियमों का पालन किया है। अमेरिकी अधिकारी सॉडैलिंग ने यह भी दावा किया है कि 2009 से इन कंपनियों ने लगभग 30 लाख विदेशी श्रमिकों के लिए आवेदन भेजे हैं। इनमें से 2,30,000 से अधिक -1क़ वीजा स्वीकृत हो चुके हैं और एक लाख से अधिक को स्थायी श्रम प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। इस तरह हजारों नौकरियां अमेरिकी श्रमिकों से छिन ली गई हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा भारतीयों के खिलाफ शुरू की गई बदले की कार्रवाई अब भारतीय कंपनियों तक भी पहुंच गई है। II-1क़ वीजा धोखाधड़ी का बहाना बनाकर ट्रंप प्रशासन ने आठ प्रमुख सॉफ्टवेयर कंपनियों को अमेरिकी ग्रीन कार्ड कार्यक्रम से एक-एक करके बाहर कर दिया है। इन कंपनियों में TCS, Infosys, Wipro, HCL Infosystems, Cognizant, Capgemini, Microsoft ¥6UU Adobe शामिल हैं। अब ट्रंप प्रशासन ने इन कंपनियों पर वीजा धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। मध्यावधि चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने देश में बढ़ती बेरोजगारी के बीच अमेरिकियों के रोजगार को लेकर अपनी चिंता दिखाने के लिए भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों समेत अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाया है। गौरतलब है कि दो-तीन दिन पहले ही ट्रंप प्रशासन ने वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर 250,000 डॉलर तक का जुर्माना लगाने की घोषणा की थी। अब इन सभी आठ कंपनियों को वीजा धोखाधड़ी के आरोप में II-1क़ कार्यक्रम से बाहर कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह कदम अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करने और विदेशी कामगारों से जुड़ी आाजन योजनाओं के कथित दुरुपयोग की जांच करने के

स्टारलंक: इंटरनेट से ज़्यादा महत्वपूर्ण डेटा और सुरक्षा है

दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक, एलोन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलंक को लेकर भारत में काफी विवाद चल रहा है। कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं, खासकर भारत की सुरक्षा से जुड़े। दावा किया जा रहा है कि यह तकनीक, जो भारत के दूरदराज के इलाकों में हार्ड-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने में सक्षम है, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान संचार व्यवस्था को बहाल करने में मददगार साबित हो सकती है, लेकिन इसके साथ कुछ अहम सवाल भी जुड़े हैं। क्या राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर इस पर आंख बंद करके भरोसा किया जा सकता है? क्या जरूरत पड़ने पर भारतीय सरकार अपनी शक्तों के अनुसार इसके इंटरनेट नेटवर्क को बंद या चालू कर पाएगी?

क्या इससे भारतीय उपयोगकर्ताओं का संवेदनशील डेटा पूरी तरह से देश के नियंत्रण में रहेगा? ये ऐसे सवाल हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और किसी भी सुविधा को शुरू करने को हल्के में नहीं लिया जा सकता। हाल ही में, विशेषज्ञों ने इन्हीं सवालों के मद्देनजर चेतावनी दी है कि स्टारलंक पर अत्यधिक निर्भरता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए खतरा बन सकती है। हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत ने सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के लिए सख्त नियम बनाए हैं, लेकिन इन नियमों के बावजूद नेटवर्क के संचालन पर अंतिम नियंत्रण स्पेसएक्स के पास ही है। यही भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

स्टारलंक पृथ्वी की निचली कक्षा (स्वछह) में स्थित उपग्रहों के नेटवर्क के माध्यम से इंटरनेट सेवा प्रदान करता है। यह तकनीक पारंपरिक उपग्रह इंटरनेट सेवाओं की तुलना में कम विचलंता और उच्च गति वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए विकसित की गई है। इसकी मदद से, इंटरनेट उन दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचाया जा सकता है जहां मोबाइल नेटवर्क या फाइबर ब्रॉडबैंड प्रदान करना कठिन और महंगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2026 तक, स्टारलंक के नेटवर्क में 10,000 से अधिक सक्रिय उपग्रह थे। उस समय, यह संख्या पृथ्वी की कक्षा में कुल सक्रिय उपग्रहों का लगभग

आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाने समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए।

नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अपफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था

मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनेकछाँ होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिसका उत्सव मनाने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आंखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने भक्त का निवाह करना है।

अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केन्द्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयोजक समितियों, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी हमें चेतावनी दे रही है कि उत्सव की चमक के पीछे छिपी लापरवाही कभी भी अंधकार बनकर उतर सकती है। मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल शोक व्यक्त करना या उनके परिजनों को सहायता देना नहीं, बल्कि यह संकल्प लेना है कि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों। सरकार जागे, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी समझे, आयोजक अपनी प्रतिष्ठा से पहले लोगों की सुरक्षा को रखें और नागरिक अपनी आस्था के साथ विवेक को भी स्थान दें। आखिर कितने हादसों के बाद हम सीखेंगे? कितने परिवारों के उजड़ने के बाद हमारी व्यवस्थाएं बदलेंगी? और कितनी जिंदगियां की कीमत पर हम समझेंगे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयोजन और कोई भी धार्मिक आस्था मनुष्य के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और सकुशल अपने घर लौटे।

–ललित गर्ग

इस्के तहत, अमेरिकी कंपनियां अन्य देशों से योग्य कर्मचारियों को उन पदों के लिए नियुक्त कर सकती हैं जिनके लिए विशेष ज्ञान और आमतौर पर संबंधित विषय में स्नातक डिग्री या समकक्ष योग्यता की आवश्यकता होती है। तकनीकी कंपनियां सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा साईटेंट, शोधकर्ता और अन्य कुशल पेशेवरों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा का उपयोग करती हैं। इस प्रक्रिया में, अमेरिकी कंपनी को कर्मचारी के लिए आवेदन करना होता है। कंपनी को वेतन और कार्य से संबंधित लागू नियमों का भी पालन करना होता है। II-1क़ वीजा आमतौर पर अमेरिका द्वारा तीन साल की प्रारंभिक अवधि के लिए दिया जाता है। सामान्य परिस्थितियों में, इसे कुल छह साल तक बढ़ाया जा सकता है। कुछ मामलों में, विशेष रूप से जब कर्मचारी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में आगे बढ़ चुका हो, तो कुछ शर्तों के तहत छह साल से अधिक समय तक रहने की अनुमति दी जा सकती है। लेकिन II-1क़ वीजा का मतलब अमेरिका में स्थायी निवास का अधिकार नहीं है। इस वीजा पर काम करने वाला व्यक्ति कानूनी रूप से काम कर सकता है, लेकिन उसे स्थायी निवास के लिए एक अलग आव्रजन प्रक्रिया पूरी करनी होती है। यही कारण है कि PERM और II-1क़ वीजा पर लगाए गए प्रतिबंधों को एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। दोनों के उद्देश्य अलग-अलग हैं। दूसरी ओर, आएए उस विवाद को समझते हैं जिसके कारण कंपनियों की समस्याएं शुरू हुई हैं। या यह भी कहा जा सकता है कि कंपनियों के लिए समस्याएं अमेरिका के माध्यम से शुरू हुई हैं। इस श्रेणी का पूरा नाम PERM है, जिसका पूरा नाम प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट है।

–धनंजय राजौरा

अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवरों के लिए, वहां काम करना और स्थायी रूप से बसना दो अलग-अलग बातें हैं। II-1क़ वीजा रोजगार के लिए उपयोगी है, जबकि ग्रीन कार्ड के लिए अमेरिका में स्थायी निवास प्राप्त करने के लिए एक अलग प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। अब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने आठ प्रमुख तकनीकी कंपनियों के लिए ग्रीन कार्ड प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण चरण पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि 8 अक्टूबर को अमेरिका ने PERM नामक रोजगार प्रमाणन प्रक्रिया के तहत इन कंपनियों से संबंधित नए आवेदनों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और घोषणा

अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवरों के लिए, वहां काम करना और स्थायी रूप से बसना दो अलग-अलग बातें हैं। II-1क़ वीजा रोजगार के लिए उपयोगी है, जबकि ग्रीन कार्ड के लिए अमेरिका में स्थायी निवास प्राप्त करने के लिए एक अलग प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। अब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने आठ प्रमुख तकनीकी कंपनियों के लिए ग्रीन कार्ड प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण चरण पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि 8 अक्टूबर को अमेरिका ने PERM नामक रोजगार प्रमाणन प्रक्रिया के तहत इन कंपनियों से संबंधित नए आवेदनों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और घोषणा

अमेरिका में काम करने वाले हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवरों के लिए, वहां काम करना और स्थायी रूप से बसना दो अलग-अलग बातें हैं। II-1क़ वीजा रोजगार के लिए उपयोगी है, जबकि ग्रीन कार्ड के लिए अमेरिका में स्थायी निवास प्राप्त करने के लिए एक अलग आव्रजन प्रक्रिया पूरी करनी होती है। यही कारण है कि PERM और II-1क़ वीजा पर लगाए गए प्रतिबंधों को एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। दोनों के उद्देश्य अलग-अलग हैं। दूसरी ओर, आएए उस विवाद को समझते हैं जिसके कारण कंपनियों की समस्याएं शुरू हुई हैं। या यह भी कहा जा सकता है कि कंपनियों के लिए समस्याएं अमेरिका के माध्यम से शुरू हुई हैं। इस श्रेणी का पूरा नाम PERM है, जिसका पूरा नाम प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट है।

–धनंजय राजौरा

उपयोग किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सेवा को चालू या बंद करने के लिए किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, मस्क ने क्रीमिया के पास स्टारलंक सेवा चालू करने के यूक्रेनी सेना के अनुरोध को भी अस्वीकार कर दिया था। मार्च 2025 में, मस्क ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि यूक्रेनी सेना का संचार स्टारलंक पर बहुत अधिक निर्भर है और यदि सेवा बंद कर दी जाती है, तो इसका मोर्चे पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसा भारत के साथ भी हो सकता है। अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध होने के बावजूद, इसके उपयोग की अंतिम शर्तें सेवा प्रदाता कंपनी के हथौथे में रहती हैं। यदि किसी देश की सेना या सरकार किसी विदेशी निजी कंपनी के नेटवर्क पर अत्यधिक निर्भर हो जाती है, तो उस कंपनी के निर्णय रणनीतिक महत्व के हो जाते हैं। भारत के संदर्भ में चिंता की बात यह है कि युद्ध या सीमा तनाव के दौरान, संचार का नियंत्रण किसी बाहरी कंपनी के हथौथे में होने से सुरक्षा जोखिम पैदा हो सकता है।

दूसरी ओर, ईरान की स्थिति भी विचित्र थी। स्टारलंक के कारण यहाँ एक अलग ही समस्या खड़ी हो मिली। रिपोर्ट के अनुसार, तस्करी के माध्यम से ईरान पहुंचे लगभग 50,000 स्टारलंक टर्मिनल 2026 की शुरुआत में ईरान में उपयोग में थे। दिसंबर 2025 के अंत में शुरू हुए विरोध प्रदर्शन जनवरी 2026 में और तेज हो गए, जिसके चलते स्थानीय सरकार ने पारंपरिक इंटरनेट सेवाएं बंद कर दीं। तब स्टारलंक प्रदर्शनकारियों के लिए बाहरी दुनिया से संपर्क का मुख्य साधन बन गया। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने सिग्नल और सैटेलाइट संचार के लिए इस्तेमाल होने वाले 5त और 4त बैंड को जाम करने की कोशिश की।

इन प्रयासों के कारण कुछ क्षेत्रों में अस्थायी रूप से व्यवधान उत्पन्न हुआ, लेकिन सेवा को पूरी तरह से बंद करना बेहद मुश्किल था। ईरान ने इस बात में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए भारत को ऐसे खतरों को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

–सुनील कुमार महला

नवरात्रि पूर्णाहुति पर हुए विभिन्न आयोजन

सामूहिक गायत्री अनुष्ठान की पूर्णाहुति सम्पन्न, कन्या भोज का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर नवरात्रि के पावन पर्व पर सामूहिक गायत्री महामंत्र का नव दिवसीय अनुष्ठान का क्रम अनवरत रुप से चलाया जाता है जिसमें गायत्री साधक बड़ी संख्या में प्रातः 03.30 बजे ब्रह्ममुहूर्त में सामूहिक गायत्री महामंत्र का जप प्राणि मात्र के कल्याण के लिए करते है, उसी की पूर्णाहुति महानवमी को पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ के माध्यम से सम्पन्न हुई।

गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि 19 अक्टूबर



को प्रातः 09 बजे श्रीवेदमता गायत्री, परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी, वन्दनीया माता भगवतीदेवी शर्मा एवं देवीआन्वन व पूजन के साथ पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत हुई जिसमें

यज्ञोपवीत, दीक्षा, विद्यारम्भ सहित विभिन्न संस्कार निःशुल्क सम्पन्न हुए।आयोजन में भारतसिंह बनाफर, गणेशचन्द्र व्यास, विक्रमसिंह राजपूत, सुभाष जैन, गीता जोशी, भंवरसिंह सोलंकी, केशव पटेल, ओम प्रकाशसिंह बनाफर, रमेश पंचाल, भरत चौधरी, नीतिन गुप्ता, महेंद्र राठौड़, अजयसिंह चौधरी सहित सैकड़ों गायत्री साधको ने आहुतिया प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में कन्याभोज के साथ सभी

उपस्थित परिजनों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। कर्मकांड का संचालन परिब्राजक रामनिवास कुशवाह एवं शक्तिपीठ की संगीत टोली ने किया तथा आभार मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी महेश पंड्या ने माना। इसी प्रकार गायत्री प्रज्ञापीठ

विजय नगर देवास पर शारदीय नवरात्रि की पूर्णाहुति प्रज्ञापीठ संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में रमेश पालीवाल, शेषनारायण परमार, विजेन्द्रसिंह बेस, अरुणेंद्र सोनी, सुरेश बालपांडे प्रदीप दुबे, यशेश दुबे, ओ. पी. श्रीवास्तव, सुभाष धोते, सुजन शर्मा, खेहलता पोरवाल, सुशीला परमार अयोध्या दुबे, मंजुला सोनी, नीति श्रीवास्तव, राधा दुबे, सीमा चौहान, प्रखर दुबे एवं मोहन परिहार सहित सैकड़ों परिजन उपस्थित थे। कर्मकांड का संचालन महेश आचार्य, ज्ञानदेव बोड़ुखे, प्रखर पोरवाल एवं नितिन बोड़ुखे ने किया तथा अंत में आभार प्रज्ञापीठ के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल द्वारा किया गया।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न



छिन्दवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आज कलेक्टर श्री हरेद्र नारायन की अध्यक्षता में छिंदवाड़ा सांसद श्री विवेक बटी साहू, अमरवाड़ा विधायक श्री कमलेश प्रताप शाह, चौरई विधायक श्री सुजीत सिंह चौधरी, पूर्व विधायक चौरई पं.रमेश दुबे एवं अन्य जनप्रतिनिधियों और श्री लखन वर्मा व श्री संजय पटेल सहित जिले के उन्नत कृषकों की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में निर्धारित एजेंडा बिंदुओं के अनुसार रबी सिंचाई निर्धारण एवं नहर संचालन, 25 ब से कम जलभराव वाले जलाशयों की स्थिति, वर्ष 2026 - 27 रबी सिंचाई के लक्ष्य निर्धारण, पंच परियोजना की स्थिति, स्टॉप डैम के गेट बंद करने के कार्य आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार, एसडीएम छिंदवाड़ा श्री पुणेंद्र निगम, कार्यपालन यंत्री एवं समिति सचिव श्रीमती कुमकुम पटेल, कार्यपालन यंत्री पंच परियोजना श्री जे.के.मसंकोले एवं श्री प्रभाकर टेकाम, अधीक्षण यंत्री मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री सुनील कुमार सिन्हा सहित जल संसाधन विभाग के एएसडीओ और उपयंत्री उपस्थित थे।

15 नवंबर से मिलेगा सिंचाई के लिए पानी - बैठक में सभी जलाशयों की नहरों को 15 नवंबर से खोलने का निर्णय लिया गया, जिससे छिंदवाड़ा जिले के 72418 हेक्टेयर में रबी सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया

जबलपुर तकनीकी शिक्षा का हब बनेगा, जेईसी के नए भवन से विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कंप्यूटर साईंस पाट्र्यक्रम के लिए नए भवन का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज का गौरवशाली इतिहास रहा है। इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त कर अवसर प्रतिभाओं ने देशभर में जबलपुर का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान भविष्य में भी अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को आगे बढ़ाता रहेगा। यह भवन विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। भवन का निर्माण आगामी दो वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जबलपुर में महाकौशल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल शहर के विकास और तकनीकी शिक्षा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे जबलपुर को तकनीकी शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ उद्योगों की आवश्यकताओं के



अनुरूप पाट्र्यक्रम संचालित करने के अवसर भी मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक संस्थानों और आधुनिक अधोसंरचना के विकास से न केवल जबलपुर, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों का उद्घेख करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मध्यप्रदेश की शैक्षणिक प्रगति में जबलपुर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से भवन का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने का आग्रह किया गया, ताकि यह भवन संस्थान की पहचान बने और

विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

कार्यक्रम में विधायक श्री अशोक रोहाणी ने कहा कि लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के प्रयासों से जबलपुर में विकास कार्यों का गति मिली है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में शहर को विकास के नए स्वरूप में देखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कैट विधानसभा क्षेत्र में महाकौशल तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा भी जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सीमांत है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन से किया गया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अनू, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन, जेईसी के प्राचार्य श्री राजीव चांड़क सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद्, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिल रहा सम्पत्ति के अधिकार का अभिलेख

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर बने मकानों के स्वामित्व का अभिलेख उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को अपनी सम्पत्ति का अधिकार प्रमाणित करने का अवसर मिल रहा है। योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर पात्र संपत्ति धारकों के स्वामित्व अभिलेख की रजिस्ट्री दी जा रही है। इससे ग्रामीणों को अपनी आवासीय संपत्ति का दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मंडला जिले में स्वामित्व योजना के अंतर्गत अब

तक कुल 1197 रजिस्ट्रियों स्वीकृत की जा चुकी हैं। जिले में योजना के तहत स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार करने एवं संबंधित प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य निरंतर जारी है। आगामी चरणों में पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लाभान्वित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। संपत्ति के स्वामित्व का मिलेगा दस्तावेजी प्रमाण- स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी आवासीय संपत्ति से संबंधित रजिस्ट्री उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जाती है। स्वामित्व अभिलेख मिलने से संपत्ति की पहचान और उससे जुड़े रिकॉर्ड को

व्यवस्थित रखने में सहायता मिलती है। इससे ग्रामीण परिवारों को अपने संपत्ति संबंधी अधिकारों का दस्तावेजी प्रमाण प्राप्त करने में मदद मिलती है। आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल- संपत्ति का आधिकारिक अभिलेख एवं रजिस्ट्री ग्रामीण परिवारों के लिए उपयोगी दस्तावेज है। इससे संपत्ति संबंधी जानकारी स्पष्ट होती है और भविष्य में विभिन्न प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रक्रियाओं में सुविधा मिल सकती है। पात्रता और संबंधित वित्तीय संस्थान के नियमों के अधीन यह अभिलेख ऋा के लिए आवेदन करने में भी सहायक हो सकता है।

श्रमिकों के अधिकारों के लिए प्रदेशभर में जनजागृति अभियान चलाएगी इंटक, दिसंबर में होगा दिल्ली कूच

देवास में प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक संपन्न, श्रम कानूनों में बदलाव के खिलाफ आंदोलन की तैयारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक 19 अक्टूबर को मंडी व्यापारी एसोसिएशन धर्मशाला में प्रदेशाध्यक्ष श्यामसुंदर यादव की अध्यक्षता व प्रदेश संगठन मंत्री लाखन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में श्रमिकों के हितों, श्रम कानूनों, ईपीएफ योजना में वृद्धि तथा संगठन की आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर अहम निर्णय लिए गए। बैठक में प्रदेशभर से इंटक पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रदेश मीडिया प्रभारी कैलाश वर्मा ने बताया कि बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, इंटक प्रदेशाध्यक्ष श्यामसुंदर यादव, प्रदेश महामंत्री बी.डी. गौतम, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नाती, महिला संगठन इंटक के प्रदेशाध्यक्ष सुशीला यादव, अखिल भारतीय संगठन मंत्री लक्ष्मीनारायण पाठक, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष मनीष चौधरी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, पूर्व महापौर ठा. जयसिंह, मनोज राजानी तथा ईंदौर के इंटक नेता हरनाम सिंह धारीवाल सहित अन्य अतिथियों ने महत्त्वा गांधी एवं इंटक के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. मांगीलाल जोशी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत प्रदेश संगठन मंत्री लाखन सिंह ठाकुर, दिलीप परमार, राजेंद्र जाधव, राजेंद्रपुरी गोस्वामी एवं प्रवीण उगडे ने किया।

श्रमिकों के हितों में इंटक की भूमिका



महत्वपूर्ण- सज्जन सिंह वर्मा- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि इंटक प्रदेशभर में श्रमिकों के हितों के लिए अच्छा कार्य कर रही है। कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने के उद्देश्य से देवास में यह बैठक आयोजित की गई है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से संगठन के पदाधिकारी पहुंचे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बैठक में पारित होने वाले प्रस्ताव आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वादों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भी संगठन को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि इंटक के माध्यम से श्रमिकों की एक बड़ी ताकत तैयार करना बैठक का प्रमुख उद्देश्य है।

इंटक प्रदेशाध्यक्ष श्यामसुंदर यादव ने कहा कि देश की आजादी के पूर्व और पश्चात श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए बनाए गए 44 श्रम कानूनों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने चार श्रम संहिताओं में समाहित कर दिया है। उनके अनुसार, इससे मजदूरों के हितों और अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इंटक प्रदेशभर, विशेषकर

सुकन्या समृद्धि योजना से बेटीयों के भविष्य को मिल रही आर्थिक सुरक्षा

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटीयों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बचत को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित सुकन्या समृद्धि योजना अभिभावकों को अपनी बेटीयों के नाम पर दीर्घकालीन बचत करने का अवसर प्रदान करती है। केंद्र सरकार की इस योजना के माध्यम से अभिभावक बेटी की शिक्षा, उच्च अध्ययन और भविष्य की अन्य आवश्यकताओं के लिए आर्थिक तैयारी कर सकते हैं। छोटी-छोटी बचत के जरिए बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

10 वर्ष से कम आयु की बेटी के नाम खुलवा सकते हैं खाता- सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत बेटी के 10 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले उसके नाम पर खाता खुलवाया जा सकता है। खाता माता-पिता या कानूनी अभिभावक द्वारा अधिकृत बैंक अथवा डाकघर में खुलवाया जाता है। सामान्यतः एक परिवार में अधिकतम दो बेटीयों के नाम खाते खोले जा सकते हैं। जुड़वां या एक साथ जन्मी बेटीयों से संबंधित निर्धारित अपवादों में अतिरिक्त खाते की अनुमति का प्रावधान है।

न्यूनतम 250 रुपये से कर सकते हैं शुरुआत- योजना में एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 250 रुपये जमा करना आवश्यक है, जबकि अधिकतम 1.5 लाख रुपये सालाना जमा किए जा सकते हैं। खाते में 15 वर्ष तक जमा किया जा सकता है तथा खाता खोलने की तारीख से 21 वर्ष बाद खाता परिष्कृत होता है। योजना की ब्याज दर समय-समय पर केंद्र सरकार

द्वारा निर्धारित की जाती है। ब्याज चक्रवृद्धि आधार पर जुड़ता है, जिससे लंबी अवधि में बचत बढ़ने का अवसर मिलता है।

बेटी की शिक्षा और भविष्य के लिए उपयोगी- सुकन्या समृद्धि खाते में निर्धारित शर्तों के अनुसार बेटी की उच्च शिक्षा के लिए आंशिक निकासी की सुविधा उपलब्ध है। सामान्यतः बेटी के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने या 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, जो भी पहले हो, निर्धारित पात्रता एवं दस्तावेजों के आधार पर शिक्षा के लिए निकासी की जा सकती है। योजना की परिपक्वता पर नियमानुसार जमा राशि और ब्याज प्राप्त होता है।

ऐसे खुलवाएं खाता- बेटी के माता-पिता या कानूनी अभिभावक नजदीकी डाकघर अथवा अधिकृत बैंक शाखा में संपर्क कर सकते हैं। आवेदन के लिए बेटी का जन्म प्रमाणपत्र, अभिभावक का पहचान एवं पते का प्रमाण, फोटो और संबंधित संस्थान द्वारा मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने होते हैं। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खाता खोला जाता है।

आज की बचत, बेटी के कल की तैयारी- सुकन्या समृद्धि योजना अभिभावकों को बेटी के जन्म से ही उसके भविष्य के लिए बचत की आरत विकसित करने का अवसर देती है। नियमित निवेश और लंबी अवधि की बचत के माध्यम से परिवार बेटी की शिक्षा और भविष्य की आर्थिक जरूरतों के लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं।

लाड़ली बहना योजना की राशि से नवरात्रि में साकार हुई आस्था

मंडला/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही उन्हें अपनी आस्था, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी खुशियाँ साकार करने का अवसर भी प्रदान कर रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए आर्थिक सम्बल बन रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ परिवार और समाज में अपनी भूमिका को और सशक्त बना रही हैं।

इसका उदाहरण श्रीराम वार्ड निवासी श्रीमती नीतू अग्रवाल के जीवन में देखने को मिला। उन्होंने लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि से नवरात्रि के पावन पर्व पर माता रानी के श्रृंगार की सामग्री मंगाई और कन्या पूजन के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की। उन्होंने श्रद्धा और उल्लास के साथ नवरात्रि का पर्व मनाते हुए भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया।

श्रीमती नीतू अग्रवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लाड़ली बहना योजना से प्राप्त राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बनी है। इस राशि से वे नवरात्रि के अवसर पर माता रानी का श्रृंगार कर सकीं और कन्या पूजन की परम्परा को उत्साहपूर्वक निभा सकीं। उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएम स्वनिधि योजना से प्रशांत जाटव के मोबाइल व्यवसाय को मिली नई रफ्तार

नरसिंहपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, लगन और सही समय पर मिले आर्थिक सहयोग से छोटे व्यवसाय को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। करेली निवासी श्री प्रशांत जाटव की कहानी इसी आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता की प्रेरणादायी मिसाल है। सीमित पूंजी के साथ मोबाइल एक्सेसरीज एवं मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य शुरू करने वाले प्रशांत जाटव ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से मिली ऋा सहायता का सदुपयोग कर अपने व्यवसाय का क्रमशः विस्तार किया।

सीमित संसाधनों से शुरू हुआ व्यवसाय- श्री प्रशांत जाटव एक मेहनती एवं युवा उद्यमी हैं। वे मोबाइल एक्सेसरीज एवं मोबाइल रिपेयरिंग का व्यवसाय संचालित करते हैं। शुरुआत में उनके पास मोबाइल एक्सेसरीज का सीमित स्टॉक था और



रिपेयरिंग के लिए आवश्यक उपकरण भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं थे। व्यवसाय को आगे बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने के लिए उन्हें अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता महसूस हुई।

इसी दौरान नगर पालिका परिषद करेली द्वारा किए गए सर्वे एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से उन्हें पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। योजना के बारे में जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इसका लाभ लेने का

राशि का उपयोग मोबाइल कवर, चार्जर,

ईयरफोन, टेम्पर्ड ग्लास सहित अन्य

आवश्यक मोबाइल एक्सेसरीज का स्टॉक

बढ़ाने तथा रिपेयरिंग के लिए जरूरी उपकरण

खरीदने में किया।दुकान पर सामान की

उपलब्धता बढ़ने से ग्राहकों को उनकी

आवश्यकता के अधिक विकल्प एक ही

स्थान पर मिलने लगे। इससे उनके व्यवसाय

को आगे बढ़ने में मदद मिली।

20 हजार रुपये के द्वितीय ऋा से बढ़ी

निर्णय लिया।

10 हजार रुपये के

प्रथम ऋा से बढ़ाया

मोबाइल एक्सेसरीज

का स्टॉक- पीएम

स्वनिधि योजना के

अंतर्गत श्री प्रशांत

जाटव को 10 हजार

रुपये का प्रथम ऋा

प्राप्त हुआ। उन्होंने इस

राशि का उपयोग मोबाइल कवर, चार्जर,

ईयरफोन, टेम्पर्ड ग्लास सहित अन्य

आवश्यक मोबाइल एक्सेसरीज का स्टॉक

बढ़ाने तथा रिपेयरिंग के लिए जरूरी उपकरण

खरीदने में किया।दुकान पर सामान की

उपलब्धता बढ़ने से ग्राहकों को उनकी

आवश्यकता के अधिक विकल्प एक ही

स्थान पर मिलने लगे। इससे उनके व्यवसाय

को आगे बढ़ने में मदद मिली।

20 हजार रुपये के द्वितीय ऋा से बढ़ी

उत्पादों की विविधता- व्यवसाय में आगे

बढ़ने के बाद उन्हें योजना के अंतर्गत 20

हजार रुपये का द्वितीय ऋा प्राप्त हुआ। इस

राशि से उन्होंने दुकान में नए और आधुनिक

मोबाइल एक्सेसरीज उपलब्ध कराए तथा

स्टॉक में वृद्धि की।उत्पादों की विविधता

बढ़ने से ग्राहकों को अधिक विकल्प मिलने

लगे और उनके व्यवसाय में भी वृद्धि हुई।

प्रशांत जाटव ने ऋा राशि को व्यवसाय की

आवश्यकताओं के अनुसार उपयोग कर

अपने कारोबार को मजबूत आधार दिया।

50 हजार रुपये के तृतीय ऋा से

रिपेयरिंग व्यवसाय को मिला विस्तार- इसके

बाद श्री प्रशांत जाटव को 50 हजार रुपये

का तृतीय ऋा प्राप्त हुआ। उन्होंने इस राशि से

मोबाइल रिपेयरिंग के लिए आवश्यक उन्नत

उपकरण खरीदे और दुकान में उपलब्ध

सुविधाओं का विस्तार किया।आधुनिक

उपकरण उपलब्ध होने से वे मोबाइल

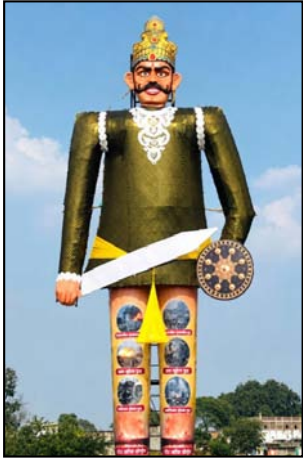
रिपेयरिंग का कार्य अधिक प्रभावी ढंग से

करने लगे। इससे ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलने लगी और उनके व्यवसाय को नई गति मिली। बढ़ते कारोबार के साथ उनकी आय अर्जित करने की क्षमता में भी सकारात्मक बदलाव आया।

योजना ने बढ़ाया आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता- श्री प्रशांत जाटव ने पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्राप्त तीनों चरणों के ऋा का उपयोग अपने व्यवसाय को मजबूत करने में किया। 10 हजार रुपये, 20 हजार रुपये और 50 हजार रुपये की ऋा सहायता के माध्यम से उन्होंने अपने कारोबार में लगातार निवेश किया।आज उनकी दुकान पर मोबाइल एक्सेसरीज की अच्छी विविधता उपलब्ध है और मोबाइल रिपेयरिंग के लिए आवश्यक उपकरण भी मौजूद हैं। उनका प्रयास है कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता की सामग्री और सुविधाजनक रिपेयरिंग सेवा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो।

बदनावर में आज 81 फीट के रावण का दहन, पुतले में दिखेगी रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक तनाव की झलक

रात 10 बजे तीर चलाकर होगा दहन, विश्व शांति और संवाद का संदेश देगा दशहरा उत्सव



स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में तेजी



डिण्डोरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती अंजु पवन भट्टेरिया के मार्गदर्शन में जिले में स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन एवं निष्पादन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राजस्व विभाग द्वारा गांव-गांव पहुंचकर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों से स्वामित्व योजना के आवेदन प्राप्त करने के साथ रजिस्ट्री पंजीयन की कार्यवाही भी की जा रही है। तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी सहित राजस्व विभाग का मैदानी अमला लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने में जुटा है। इसी क्रम में नायब तहसीलदार सुश्री सुरभि सल्लाखे द्वारा सिमरिया माल पहुंचकर स्वामित्व आवेदन एवं रजिस्ट्री पंजीयन की कार्यवाही कराई गई। वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों एवं मैदानी अमले की सक्रियता से योजना के कार्यों में गति आई है। ग्रामीणों ने योजना के माध्यम से मिल रहे लाभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है। स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन एवं निष्पादन योजना के अंतर्गत शहपुरा तहसील में कार्यों की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर प्रशासन द्वारा कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया जा रहा है। उपलब्ध पटवारीवार प्राप्ति विवरण के अनुसार तहसील में कुल 14,903 प्लॉट एवं 18,272 हितग्राही दर्ज हैं। इनमें 1,884 प्रकरणों में रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, 256 प्रकरणों का पटवारी सत्यापन हुआ है, 78 प्रकरण प्रस्तुत किए गए हैं तथा 155 प्रकरणों का निष्पादन पूर्ण किया गया है। प्राप्ति विवरण में कई पटवारियों के नाम के सामने पूर्ण निष्पादन शून्य दर्ज होने के कारण ऐसे प्रकरणों की समीक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

हौसलों की उड़ान' कार्यक्रम से दिव्यांग बच्चों को मिलेगा शिक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

आलीराजपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान-‘सेवा अपेक्षाओं के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण, शिक्षा से जोड़ने तथा उन्हें शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से शनिवार को जिला पंचायत आलीराजपुर में ‘हौसलों की उड़ान’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम ने की। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर वर्युअल माध्यम से शामिल हुईं और दिव्यांग बच्चों एवं उनके पालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं तथा अपेक्षाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में जिले के 29 दिव्यांग बच्चों ने अपने पालकों के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके समुचित विकास के लिए अनुकूल अवसर उपलब्ध कराना तथा उनके पालकों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने पालकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, छात्रावास में प्रवेश और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। योजनाओं एवं प्रमाण-पत्रों की प्रक्रिया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशहरे पर मंगलवार रात बदनावर में 81 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इस बार रावण के पुतले के जरिए रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-अमेरिका तनाव और मध्य पूर्व में जारी संघर्षों को दर्शाया जाएगा। वहीं, पुतले के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट लगाकर विश्व शांति और संवाद से समस्याओं के समाधान का संदेश दिया जाएगा। चंद्रभानुसिंह सोलंकी मित्र मंडल की ओर से शासकीय

महाविद्यालय परिसर स्थित दशहरा मैदान पर आयोजित होने वाला यह उत्सव 27वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। युद्ध और तनाव की थीम पर तैयार हो रहा पुतला- आयोजक चंद्रभानुसिंह सोलंकी और कार्यक्रम प्रभारी पोपसिंह राठौर ने बताया कि इस बार रावण के पुतले को वैश्विक संघर्षों की थीम पर तैयार किया जा रहा है। आयोजन के माध्यम से बुलाई पर अच्छाई की जीत के पारंपरिक संदेश के साथ दुनिया में शांति बनाए रखने और आपसी बातचीत से

विवादों का समाधान करने की अपील भी की जाएगी। 81 फीट ऊंचे पुतले को युवा कलाकार संईद शाह अपनी टीम के साथ अंतिम रूप दे रहे हैं। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रात 10 बजे होगा रावण दहन, आतिशबाजी भी- दशहरा मैदान पर मंगलवार रात करीब 10 बजे तीर चलाकर रावण का दहन किया जाएगा। इसके साथ ही आतिशबाजी का आयोजन होगा। उत्सव को लेकर आयोजक मंडल तैयारियों में जुटा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में

नगरवासियों के शामिल होने की उम्मीद है। ऑर्केस्ट्रा और राजस्थानी कलाकार दंगे प्रस्तुतियां- रावण दहन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कोटा की ऑर्केस्ट्रा टीम और राजस्थान से आने वाले कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। इस दौरान नगर की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। महिलाओं के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजन के दौरान सुखा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन का सहयोग भी रहेगा।

देपालपुर में विरांगना पुरी माँ कीर जयंती की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कीर समाज की राष्ट्रीय गौरव विरांगना पुरी माँ कीर की जयंती को लेकर देपालपुर नगर में विरांगना पुरी माँ कीर टीम देपालपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में देपालपुर में होने वाले भव्य आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी जयंती समारोह को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर रणनीति तय की गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि विरांगना पुरी माँ कीर, कीर समाज



की झाँसी की रानी हैं। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि कीर समाज में भी वीर योद्धा हुए हैं, जिन्होंने समाज और देश के लिए अपना पराक्रम दिखाया। बताया गया कि विरांगना माँ कीर का जन्म विक्रम संवत् 1768

नवमी को हुआ था। उनकी जयंती हर साल बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इसी कड़ी में देपालपुर नगर सहित इंदौर, उज्जैन, सांवेर, हरदा, भोपाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात सहित देश के अन्य कई स्थानों पर पुरी माँ कीर की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है।

इस बार आयोजन को लेकर बड़ी ज़ोरों से तैयारी चल रही क्योंकि इस बार हरदा में भी चोक चोराह कि नामांकरण होना है उक्त जानकारी टीम देपालपुर के प्रभु अग्रवाल कीर एवं धारासिंह दायमा ने दी।

सादगी के साथ मनाया हेमंत मेवाड़ा का जन्मदिन

पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, माता पंडालों में पहुंचकर किए दर्शन और महाआरती में हुए शामिल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाड़ा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर जिले में अखंड हिंदू युवा संगठन के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा का जन्मदिन 17 अक्टूबर को सादगी और उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर उनके गृहग्राम मदाना सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर शुभचिंतकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर भी दिनभर बधाइयों का सिलसिला जारी रहा।

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री इंंदर सिंह परमार, खादी एवं ग्रामोद्योग के प्रदेश अध्यक्ष पंकज जोशी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से हेमंत मेवाड़ा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता शिवप्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह काकासाहब राय सिंह मेवाड़ा सहित अन्य प्रभुचिंतकों ने उनके निवास पर पहुंचकर बधाई दी।

सुबह से रात तक चला बधाइयों का सिलसिला- जन्मदिन के अवसर पर सलसलाई बस स्टैंड स्थित उनके नवीन कार्यालय पर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यक्रम आयोजित



किया गया। इस दौरान शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा-कांग्रेस नेताओं, सामाजिक संगठनों, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और मित्रों ने पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। सुबह से शुरू हुआ बधाइयों का सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

मदाना में मंदिरों पर मनाया जन्मदिन- जन्मदिन के अवसर पर उनके गृहग्राम मदाना में भी विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मां इलाय माता मंदिर परिसर, पंचायत भवन परिसर, छोटी पाथी सहित छोटी-बड़ी हनुमान मंदिर में संकल्प सुंदरकांड मंडल के सदस्यों ने सादगी के साथ जन्मदिन मनाया। इस दौरान धार्मिक

आस्था और उत्साह का वातावरण रहा। पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश- हेमंत मेवाड़ा ने जन्मदिन के अगले दिन एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत ग्राम मदाना के गोपिया वाले देव दरबार में पौधारोपण किया। इस पहल के माध्यम से उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।

इसके साथ ही वे क्षेत्र में आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। माता के पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए तथा महाआरती में भाग लिया। उन्होंने धार्मिक आयोजनों में शामिल समितियों का सहयोग भी किया।

धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय- हेमंत मेवाड़ा टेंट व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में उनके प्रतिष्ठान से टेंट संबंधी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी के चलते वे क्षेत्र के विभिन्न आयोजनों में सक्रिय दिखाई देते हैं।

इस प्रकार जन्मदिन का अवसर केवल बधाइयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धार्मिक आस्था, पौधारोपण और सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया गया।

जैन सोशयल ग्रुप नागदा ने की गरबा महोत्सव में सहभागिता



नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व युवा मण्डल और स्व कोमल धाकड़ स्मृति मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गरबा महोत्सव में जैन सोशयल ग्रुप नागदा

के सदस्यों ने उल्लास एवं उत्साह के साथ सहभागिता की। जानकारी देते हुए ग्रुप अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम एवं उपाध्यक्ष अमित बम ने बताया कि विगत 30 वर्षों से अधिक समय से केवल कन्याओं के लिए जवाहर मार्ग स्थित किरण टाकीज चौराहे पर आयोजित इस विशिष्ट गरबा महोत्सव के दौरान कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल महामहिम थावरचंद गेहलोत एवं क्षेत्रीय सांसद अनिल फिरोजिया से सौजन्य भेंट हुई एवं जैन सोशयल ग्रुप के कार्यों से अवगत कराया गया। गरबा महोत्सव की शुरुआत में माताजी की आरती का लाभ लिया गया। इस महोत्सव का ताना-बाना बुनने वाले कुशल संचालक भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ का बहुमनन ग्रुप द्वारा किया गया साथ ही कन्याओं को उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर कमल जैन, श्रेणिक बम, सुरेन्द्र कांकरिया, मुकेश धोका, रवि संघवी, मनोज बागरेचा, पंकज पावेचा, आशीष पोखरना, अंकुर जैन, सुरेश नाट्टा, न्त्रभ नागदा, दीपक गांग, राजेन्द्र जैन, मनोज गांग, अमित जैन, सचिन सकलेचा, जीवन चाव वाला, दिलीप गांधी, अतुल छोरिया, मनीष धाकड़, शर्मिला बंम, सोधना जैन, मनीषा गांग, सरिता सकलेचा आदि अनेक ग्रुप सदस्य उपस्थित थे।

प्राकृतिक खेती से हर महीने 20 हजार रुपए कमा रही शीला कुशवाह



जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राकृतिक खेती अपनाकर किसान कम लागत में भी अच्छी आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसका उदाहरण मझौली विकासखंड के परसला गांव की शीला कुशवाह हैं। वे अपनी तीन एकड़ जमीन पर प्राकृतिक और जैविक तरीके से सब्जियों की खेती कर रही हैं। इससे उन्हें हर महीने करीब 20 हजार रुपए की आमदनी हो रही है। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के स्थान पर जैविक खाद और प्राकृतिक कीटनाशकों का इस्तेमाल करने से उनकी खेती की लागत भी कम हुई है। शीला कुशवाह सब्जियों की खेती में गोबर खाद का उपयोग करती हैं। वे गोबर को सुखकर और छानकर खेतों में खलती हैं। वहीं, फसलों को कीटों से बचाने के लिए नीम की पत्तियों, गोबर और गौमूत्र से नीमास्त्र तैयार करती हैं। इससे उन्हें बाजार से महंगी रासायनिक दवाइयां खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती। शीला केवल सब्जियां उगाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें सीधे ग्राहकों तक भी पहुंचती हैं। वे रविवार को जबलपुर कृषि मंडी हाट बाजार, सोमवार को कटगी और गुरुवार को मझौली में दुकान लगाकर सब्जियां बेचती हैं। इसके अलावा वे महाकौशल ललित कला महाविद्यालय के पास लगाने वाले जैविक हाट में भी सब्जियां लेकर पहुंचती हैं। सीधे बिक्री करने से उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है। शीला कुशवाह के मुताबिक, प्राकृतिक खेती अपनाने के बाद उनकी आमदनी और मुनाफे में काफी बढ़तवा आया है। बाजार में सामान्य तरीके से बेची जाने वाली जो सब्जी करीब 20 रुपए में बिकती है, वहीं उनकी जैविक सब्जी 35 से 40 रुपए तक में बिक जाती है। इस तरह उन्हें बेहतर दाम मिलते हैं।



स्वास्थ्य केंद्र जयपुर उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में उपनिरीक्षक श्री प्रेमचंद वर्मा, सहायक उपनिरीक्षक श्री ओमप्रकाश पंवार, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विकासखंड समन्वयक श्री अनिरुद्ध चावड़ा तथा माय भारत स्वयंसेवक श्री सुमित गावड़ उपस्थित रहे।

चिकित्सकों ने बताए नशे के दुष्प्रभाव- कार्यक्रम में चिकित्सकों ने नशे के शारीरिक

एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, पारिवारिक जीवन और भविष्य को प्रभावित करती है। युवावस्था ऊर्जा, उत्साह और संभावनाओं से भरी होती है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ शरीर एवं संतुलित मन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और सकारात्मक आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस अधिकारियों ने सामाजिक दुष्परिणामों से कराया अवगत- पुलिस अधिकारियों ने नशे के सामाजिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे की लत का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे परिवार और समाज भी प्रभावित होते हैं। युवाओं को नशे से दूर रहकर अनुशासित जीवन अपनाना चाहिए। उन्होंने

विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी नशामुक्तिक के प्रति जागरूक करें।

प्रेरक वीडियो एवं योगाभ्यास के माध्यम से किया जागरूक-कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को प्रेरक वीडियो के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझाते हुए योगाभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों को नियमित दिनचर्या, सकारात्मक सोच और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नशा नहीं करने तथा अन्य लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के संचालक श्री राजेश पाटीदार एवं प्राचार्य श्रीमती सीमा पाटीदार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



समझाई- कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों को इनका लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। पालकों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी कार्ड) बनवाने की प्रक्रिया, आवश्यक एवं संबंधित कार्यालयों के बारे में भी बताया गया। अधिकारियों ने पालकों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने बच्चों के आवश्यक दस्तावेज तैयार करवाकर पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। छात्रावास में प्रवेश लेकर शिक्षा से जुड़ने के लिए किया प्रेरित-दिव्यांग बच्चों को शिक्षा

की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश की प्रक्रिया तथा प्रवेश के बाद उपलब्ध होने वाली सुविधाओं के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। जिले में संचालित चंद्रशेखर आजाद दृष्टिबाधित बालक छात्रावास तथा निःशुल्क छात्रावास, कुंड की सुविधाओं, प्रवेश प्रक्रिया और बच्चों को मिलने वाली सहायता के बारे में पालकों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम ने पालकों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं को सुना। उन्होंने पालकों को अपने बच्चों की शिक्षा और सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, बच्चों को

बालिकाओं की शिक्षा एवं सुरक्षित आवासीय व्यवस्था उपलब्ध होने से उन्हें नियमित अध्ययन के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इस पर श्रीमती संघमित्रा गौतम ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए दिव्यांग बालिका छात्रावास प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया। यह पहल दिव्यांग बालिकाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। विशेष शिविर में एक ही स्थान पर होगा समस्याओं का निराकरण- कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर के निर्देशन में शीघ्र ही निःशुल्क छात्रावास में विशेष ध्यान देना के लिए प्रेरित किया। साथ ही, बच्चों को



शक्ति वंदन

सामर्थ्य संवर्धन, राष्ट्र रक्षा और
सनातन सांस्कृतिक चेतना का

उद्घोष



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय शस्त्र पूजन कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

20 अक्टूबर 2026 | डीआरपी लाइन, इंदौर

परंपरा से राष्ट्र गौरव तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में
भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं की समृद्धि
और राष्ट्र की सुरक्षा का पूर्ण हो रहा संकल्प

आत्मनिर्भरता से सामरिक उत्कर्ष

आधुनिक सैन्य क्षमताओं, स्वदेशी शस्त्रों
और सैन्य तकनीक के क्षेत्र में सशक्त और
आत्मनिर्भर हो रहा भारत

वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता

देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक
हमारे वीर सैनिकों को इस विशेष दिन शत-शत नमन

आइए, शस्त्र पूजन के इस पावन अवसर पर अपनी गौरवशाली संस्कृति को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लें।
प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं